तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 26.0 डिग्री

हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, रविवार, 24 अगस्त, 2025

11 बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

12 आज के दौर में बेटियों को सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग जरूरी

खबर संक्षेप

हाई वोल्टेज के कारण बिजली उपकरण जले

हिसार। न्यू ऋषि नगर में शुक्रवार की रात्रि हाई वोल्टेज बिजली की सप्लाई आने के कारण कई घरों में बिजली के उपकरण जल गए। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि इस बारे में बिजली कर्मचारियों को फोन किया तो उन्होंने फोन तक नहीं उठाया। इसके चलते क्षेत्रवासियों में बिजली निगम के प्रति रोष है। न्यू ऋषि नगर एरिया में राधिका डेयरी के आसपास के लोगों ने शनिवार सुबह लापरवाही बरतने वाले निगम कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग करते हुए रोष जताया।

ग्वार फसल पर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

हिसार। कृषि विभाग के तत्वावधान में हकृवि में 28 वर्ष तक ग्वार वैज्ञानिक व हिन्दुस्तान गम व कैमिकल्स भिवानी के ग्वार विशेषज्ञ डॉ. बीडी यादव की ओर से ग्वार की फसल पर बांडाहेड़ी में स्वास्थ्य प्रशिक्षण शिविर लगाया गया। गांव बांडाहेड़ी में ब्लॉक स्तर कपास व ग्वार फसल पर यह शिविर आयोजित किया गया। इसमें खंड कृषि अधिकारी डॉ.. राजेन्द्र श्योराण मुख्य अतिथि थे जबकि अध्यक्षता कृषि विकास अधिकारी डॉ. मांगेराम ने की। इसके अलावा डॉ. शलेंद्र व डॉ. अजीत सिंह मौजूद थे। शिविर का मुख्य उदेश्य किसानों को बीटी नरमा में लगने वाले कीटों व बीमारियों के बारें में बताना था। सेवानिवृत उपमण्डल कृषि अधिकारी डॉ. ब्रिजलाल बैनिवाल ने इसके समाधान के बारे में किसानों को बताया।

पुनर्मूल्यांकन के बाद दिव्या ने राज्य में पाई 13वीं रैंक

हिसार। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी की तरफ से जारी किए गए परीक्षा परिणाम में शुरुआत में जीवीएस इंटरनेशनल स्कूल, दुबेटा की छात्रा दिव्या दसवीं क्लास में द्वितीय स्थान पर रही थी लेकिन पुनर्मूल्यांकन के परिणाम आने के बाद दिव्या ने स्कूल को टॉप किया है। इसके साथ ही छात्रा ने पूरे हरियाणा में 13वां स्थान भी हासिल किया है। स्कूल के चेयरमैन सोनू पंघाल व प्राचार्य प्रदीप सूरा ने बताया कि स्कूल के सभी बच्चों ने अपनी तरफ से बेहतरीन प्रदर्शन किया था। दिव्या एक होनहार छात्रा है और उसे विश्वास था कि वह और भी ज्यादा अंक प्राप्त कर सकती है इसलिए उसने पुनर्मूल्यांकन का फॉर्म अप्लाई किया।

सीसवाल के शिविर में 70 ग्रामीणों ने किया रक्तदान

आदमपुर। आदमपुर के प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा शुक्रवार को गांव सीसवाल के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ब्लड डोनेशन कैंप लगाया गया। राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि पर लगाए गए शिविर में 70 ग्रामीणों ने रक्तदान किया। आदमपुर से पधारी ब्रह्माकुमारी सावित्री बहन ने कहा कि हम सभी को जीवन में रक्तदान अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है। रक्तदान के लिए सभी को बढ़-चढ़ कर आगे आना चाहिए।

विधायक सावित्री जिंदल ने सूर्यनगर के लोगों की सुनीं समस्याएं

हम नरक में रह रहे, अधिकारी काम नहीं करते परेशान लोगों ने विधायक जिंदल को सुनाई पीड़ा

एसडीओ ने बताया कि एक डेयरी के कारण यह दिक्कत थी तो हमने उसका कनेक्शन कटवा दिया है। छोटी डेयरी वालों के कनेक्शन भी हम जल्द काट देंगे।

- सावित्री जिंदल ने पब्लिक हेल्थ के एसडीओ से जवाब मांगा
- विधायक ने एसडीओ को मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत कार्रवाई के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। सूर्यनगर में क्षेत्रवासियों से बातचीत करती विधायक सावित्री जिंदल।

विधायक सावित्री जिंदल शनिवार को सूर्यनगर में महा सफाई अभियान की शुरूआत करने पहुंची। इसी दौरान क्षेत्रों के लोगों ने अपनी समस्याएं उनके सामने रखी। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में सीवरेज ओवरफ्लो के कारण इलाके का बुरा हाल है।

डेयरियों के कारण यह समस्या है। क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनने के बाद विधायक सावित्री जिंदल ने पब्लिक हेल्थ के एसडीओ संजय दूहन से जवाब मांगा। एसडीओ ने बताया कि एक डेयरी के कारण यह दिक्कत थी तो हमने उसका कनेक्शन कटवा दिया है। इसकी जानकारी पार्षद और लोगों को है। छोटी डेयरी वालों के कनेक्शन भी हम जल्द काट देंगे। सूर्य नगरवासियों ने ये बताई समस्याएं

क्षेत्रवासियों ने विधायक जिंदल से कहा कि मैडम हम नरक में रह रहे हैं। अधिकारी काम नहीं करते। कोई हमारी नहीं सुनता। लंबे समय से सीवरेज ओवरफ्लो हो रहे हैं। यहां के हालात देखो हमारी क्या गलती है। हमने यहां मकान बना लिए। हर जगह गंदगी और सीवरेज जाम है। पानी सड़कों पर बह रहा है। तभी वहां मौजूद विधायक के समर्थकों ने कहा कि डेयरियों के कारण यह समस्या आ रही है। विधायक ने गुस्से में एसडीओ संजय दूहन से पूछा कि आप कब कनेक्शन काटोगे? इस पर एसडीओ ने कहा कि दो-तीन दिन में कट जाएंगे। यह सुनकर विधायक ने कहा कि तीन दिन में कनेक्शन कट जाने चाहिए। इसके बाद कोई शिकायत मेरे पास नहीं आनी चाहिए।

समाधान नहीं हुआ तो भेजेंगे फोटो व वीडियो

क्षेत्रवासियों ने कहा कि यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो हम फोटो और वीडियो बनाकर आपके पास भेज देंगे, तब आप कार्रवाई करना। लोगों ने कहा कि एक बार यहां सफाई हो जाएगी तो दोबारा समस्या नहीं आएगी। यहां के मैन होल काफी नीचे हैं। लाइन की ढलान ठीक नहीं है, इसका प्रॉपर काम करना पड़ेगा।

विधायक सावित्री जिंदल और मेयर प्रवीण पोपली ने की पौधरोपण कर सफाई महाअभियान की शुरुआत

हिसार। नगर निगम के सफाई महाअभियान की शुरुआत विधायक सावित्री जिंदल और मेयर प्रवीण पोपली ने सूर्य नगर से की। इस दौरान ओवरब्रिज के नीचे पौधरोपण भी किया गया। शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए सफाई महाअभियान की शुरुआत सूर्य नगर से की गई है। अभियान के दौरान सफाई कर्मचारियों ने गली मोहल्ले की गलियों की सफाई की वहीं जेसीबी की सहायता से मलबे को हटाया। विधायक सावित्री जिंदल के समक्ष क्षेत्रवासियों ने सीवरेज, सफाई, पशु डेयरी जैसी समस्याएं बताई तो उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करवाए। सफाई अभियान पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि आप सब मेरा परिवार है। हर घर से इसकी शुरुआत करनी होगी। यह कार्य न केवल विधायक, मेयर, प्रशासन का है हम सब का है। इसलिए हम सबको एक होकर यह कार्य करना है। जिस प्रकार स्वच्छता रैंकिंग में अन्य जिलों को अच्छे रैंक मिले थे उसी प्रकार आने वाले समय में स्वच्छता की रैंकिंग में नंबर वन आए। इस अवसर मेयर प्रवीण पोपली ने कहा कि शहर को साफ एवं सुंदर बनाने में नगर निगम और अन्य विभागों के साथ आमजन का सहयोग भी आवश्यक है। हम सब मिलकर ओर अधिक साफ एवं सुंदर बनाएंगे। मेयर ने सभी शहरवासियों से अपील हैं कि घर का कचरा गीला व सूखा अलग-अलग डस्टबिन में डाले और नगर निगम द्वारा संचालित वाहन में इस कचरे को डाले। उन्होंने कहा कि गीला कचरा और हरा-चारा गली या अन्य जगह पर न डाले। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त शालिनी चेतल, एक्सईएन अमित कौशिक, पार्षद संजय डालमिया, पार्षद जगमोहन मित्तल, पाषर्द मोहित सिंघल, एसडीओ पब्लिक हेल्थ संजय दूहन, एसडीओ बीएंडआर, सीमा जिंदल, पूर्व मेयर शकुंतला राजलीवाला, पूर्व डिप्टी मेयर दयानंद सैनी, अजित सिंह, जगदीश पूनियां, रमेश मिस्त्री, रामकला शर्मा, डॉ. पाहवा, रोहताश कौशिक, प्रदीप कोहली, जेई हरीश अरोड़ा आदि मौजूद रहे।

गंदे पानी की निकासी को लेकर हुए विवाद में चली गोलियां

- भाजपा मंडल अध्यक्ष उमरा पर लगाया गोलियां चलाने का आरोप
- फायरिंग के दौरान सिंचाई विभाग में क्लर्क ने झुककर बचाई जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

हांसी। गोली चलाए जाने की सूचना मिलने मौके पर पहुंच जांच करती पुलिस

गांव देपल में शनिवार सुबह घर के गंदे पानी की निकासी के लिए गली में बनाई गई नाली में पानी की निकासी को लेकर दो पड़ोसियों के बीच हुए मामूली विवाद में भाजपा नेता ने पिस्तोल निकालकर पहले हवाई फायर किया और उसके बाद पड़ोसी युवक पर गोलियां चला दी।

फायर किए जाने के आरोपी भाजपा नेता और उसके परिवार के सदस्य अपने आवास को ताला लगा कर मौके से फरार हो गए। वहीं देपल गांव में गोलियां चलने की सूचना मिलने पर डीएसपी रविन्द्र सांगवान व सदर थाना प्रभारी एसआई रमेश कुमार ने टीम के साथ मौके पर पहुंच पीड़ित पक्ष के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मामले की जांच की जा रही है : डीएसपी

इस संदर्भ में डीएसपी रविन्द्र सांगवान ने बताया कि गांव देपल में गली में गंदे पानी की निकासी के लिए बनाई गई नाली को लेकर दो पड़ोसियों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। शनिवार सुबह दोनों पड़ोसियों के बीच नाली को लेकर बहस ज्यादा बढ़ गई। पड़ोसी के साथ विवाद होने की सूचना मिलने भाजपा नेता मौके पर पहुंचा और उसने तैश में आ कर अपनी लाइसेंसी पिस्तोल से 2 फायर कर दिए। गनीमत रही गोली किसी को नहीं लगी।

मां को धक्का व थप्पड़ मारने के प्रयास के बाद हुई हाथापाई

देपल निवासी व सिंचाई विभाग में क्लर्क प्रवेश ने बताया कि शनिवार सुबह उसकी मां घर के बाहर नाली की सफाई कर रही थी कि इसी दौरान उमरा भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय के पिता राममेहर वहां आए और मेरी मां को गलियां देने लगे, गालियां सुनने के बाद घर के बाहर आया और विजय के पिता राममेहर को गालियां देने से रोका तो उसने मेरी मां को धक्का दिया तो मैं और मेरा भाई बीच में आ गए और हमारे बीच हाथापाई हो गई। मौके पर मौजूद विजय के ताऊ जगबीर के लड़का हरीश ने बीच-बचाव कराया। उसके बाद उमरा भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय कुमार उनके घर के सामने आकर गालियां देने तथा उसके मेरा नाम लेकर पहले तो एक हवाई फायर किया और उसके बाद उसने दूसरी गोली मेरे उपर चला दी। लेकिन उसने किसी प्रकार नीचे झुक कर खुद को बचाया और वह गोली गेट के पीलर में जा लगी। जब वह तीसरा फायर करने लगा तो इस दौरान विजय का ताऊ जगबीर बीच में आ गया और उसको पकड़ कर वहां से ले गया। प्रवेश ने बताया कि इस दौरान विजय ने उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। उसके बाद वह अपनी स्कूटी पर सवार होकर वहां से फरार हो गया तथा उसके थोड़ी देर बाद उसके माता-पिता भी घर के बाहर गेट को ताला लगा कर वहां से चले गए। वहीं गोलियां चलने की आवाज सुनकर गली में हड़कंप मच गया।

डीएसपी ने ग्रामीण भ्रमण कर सुनीं शिकायतें, किया निपटारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौंद

नारनौंद। ग्रामीणों को जागरूक करते हुए डीएसपी देवेंद्र नैन व अन्य।

ग्रामीण भ्रमण कार्यक्रम के तहत पुलिस उप अधीक्षक नारनौंद देवेन्द्र नैन ने थाना बास क्षेत्र के गांव सीसर, खरबला, सोरखी का दौरा कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उनका समाधान किया।

ग्रामीणों को नशे, साइबर क्राइम व ट्रैफिक नियमों के बारे में जागरूक किया। गांव पहुंचने पर सरपंचों और मौजिज व्यक्तियों ने उनका स्वागत किया। उप पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस और आमजन अगर तालमेल के साथ कार्य करे तो अपराधों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। जिससे अपराधों में भी कमी आएगी। उन्होंने कहा कि गांव में आपसी भाईचारा वा सौहार्द बना कर रखें। थाना बास के गांव सीसर, खरबला, सोरखी का भ्रमण कर आमजन की शिकायतें सुनी तथा शिकायतों पर थाना प्रभारी को उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता में गांधी सदन बना विजेता

उकलाना। आरडीएम सरस्वती पब्लिक स्कूल में अंतरसदनीय प्रतियोगिताओं की श्रृंखला में शनिवार को विद्यालय में अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इस प्रतियोगिता में चारों सदनों के विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। इस प्रतियोगिता में छात्रों ने आत्मविश्वास के साथ बेहतरीन वक्तृत्व कला का परिचय दिया। निर्णायक मंडल में मौजूद अंग्रेजी अध्यापक पूनम गिल, मनु और आरती जैन ने विद्यार्थियों की प्रतिभा, उच्चारण शैली, विषय वस्तु, आत्मविश्वास, शारीरिक हाव भाव के आधार पर सामूहिक परिणाम घोषित किया। घोषित परिणाम के अनुसार गांधीं सदन ने प्रथम, टैगोर सदन ने द्वितीय और कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच नेता और नेहरू सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्कूल प्रबंधक डॉ. केसी शर्मा तथा स्कूल प्रधानाचार्या डॉ. शालू एस कटारिया ने सभी विजेता सदन की टीमों और सदन के सभी सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई दी।

बकाया भुगतान करने की बजाय सरकार निजी अस्पतालों को तंग कर रही : डॉ. रेनू

- जिले में 10 निजी अस्पतालों को भेजे शोकॉज नोटिस
- आयुष्मान योजना के बकाया भुगतान मामले में आईएमए आज लेगी निर्णायक फैसला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। पत्रकारों से बातचीत करती आईएमए की जिलाध्यक्ष डॉ. रेनू छाबड़ा व अन्य।

आयुष्मान भारत योजना के तहत निजी अस्पतालों को बकाया भुगतान नहीं मिलने के मामले में 24 अगस्त को पानीपत में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएम) की प्रदेशस्तरीय बैठक होगी, जिसमें प्रदेश सरकार द्वारा भुगतान की बजाय निजी अस्पताल पर ही दबाव बनाने के खिलाफ निर्णायक फैसला लिया जाएगा।

यह जानकारी आईएमए की जिलाध्यक्ष डॉ. रेनू छाबड़ा ने शनिवार को आईएमए जिला इकाई की बैठक लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत में दी। डॉ. छाबड़ा ने प्रदेश सरकार पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए बताया कि प्राइवेट अस्पताल पिछले 17 दिनों से आयुष्मान योजना के मरीजों का इलाज नहीं कर रहे हैं। सरकार बकाया भुगतान पर कोई ठोस निर्णय लेने की बजाय निजी अस्पतालों को शोकॉज नोटिस भेजकर और डॉक्टरों को परेशान करके अपनी कमियों को छिपाने की कोशिश कर रही है। अकेले हिसार जिले में 10 अस्पतालों को शोकॉज नोटिस जारी कर दिए गए। इसके अलावा एक अस्पताल को डी-इम्पैनल भी कर दिया गया। आईएमए सरकार के इस रवैए से दबने वाला नहीं और बड़ा फैसला लेगा। निजी अस्पताल आयुष्मान योजना के तहत गरीबों को उपचार करने को तैयार है, लेकिन सरकार की तरफ से लगातार भुगतान में देरी के कारण उन्हें मजबूरी में यह कदम उठाना पड़ा है।

इक्विटी फंड ने 5 साल में 4 गुना दिया निवेशकों को मुनाफा

- ऐसे करीब दस फंडों को मिली 4 से 5 स्टार की ऊंची रेटिंग
- निवेशकों ने भी जमकर लगाए पैसे और बन गए करोड़पति
- एसआईपी पर भी 24 से 30% तक का एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया
- 5 साल में लंपसम निवेश पर 26 से 37 फीसदी तक रिटर्न दिया

इक्विटी फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से शेयर बाजार में निवेश करता है। इसका उद्देश्य निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करना है, जिससे वे अपने निवेश पर अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकें।

इक्विटी फंड के प्रकार

- 1. लार्ज-कैप फंड : ये फंड बड़े कैप शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर अच्छी तरह से स्थापित कंपनियों के शेयर होते हैं।
- 2. मिड-कैप फंड : ये फंड मध्यम आकार की कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर तेजी से बढ़ने वाली कंपनियां होती हैं।
- 3. स्मॉल-कैप फंड : ये फंड छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर उच्च जोखिम और उच्च रिटर्न की संभावना के साथ आते हैं।
- 4. सेक्टोरल फंड : ये फंड विशिष्ट क्षेत्रों या उद्योगों में निवेश करते हैं, जैसे कि टेक्नोलॉजी, फार्मास्यूटिकल्स, या ऑटोमोबाइल।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड्स को लॉन्ग टर्म यानी लंबी अवधि में वेल्थ क्रिएशन के लिए जाना जाता है। इक्विटी फंड्स में इस लॉन्ग टर्म का मतलब कम से कम 3 साल कहा जाता है, लेकिन आमतौर पर 5 साल या उससे ज्यादा समय में और भी बेहतर नतीजे मिलते हैं। हम यहां ऐसे ही टॉप 10 इक्विटी फंड्स की जानकारी दे रहे हैं, जिन्होंने पिछले 5 साल में निवेशकों की पूंजी को कम से कम 4 गुना या उससे भी ज्यादा कर दिया है। इन सभी फंड्स ने सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) पर भी 24 से 30% तक का एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया है। खास बात यह है कि इन 10 में से 6 फंड्स की रेटिंग 5 स्टार और चार की रेटिंग 4 स्टार है। वहीं, निवेशकों ने भी इन फंडों में जमकर निवेश किया और अपनी रकम बढ़ाई। जिन टॉप 10 इक्विटी फंड्स ने पिछले 5 साल में लंपसम निवेश पर सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है, उनमें सबसे ज्यादा 5 स्मॉल कैप फंड हैं। इनके अलावा इस लिस्ट में 4 इंफ्रास्ट्रक्चर फंड और एक मिडकैप फंड भी शामिल हैं। इन फंडों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसे की कुछ फंडों के बारे में जिन्होंने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया।

क्वांट स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 37.23%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,86,659 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.09%
- रेटिंग : 4 स्टार

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 35.66%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,59,555 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 30.03%
- रेटिंग : 5 स्टार

मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 35.14%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,50,791 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 30.32%
- रेटिंग : 5 स्टार

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड-डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 34.53%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,40,573 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 25.48%
- रेटिंग : 5 स्टार

फ्रैंकलिन बिल्ड इंडिया फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.67%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,26,807 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.91%
- रेटिंग : 5 स्टार

बंधन स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.46%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,23,390 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 28.80%
- रेटिंग : 5 स्टार

इनवेस्को इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.31%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,20,955 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.03%
- रेटिंग : 5 स्टार

एलआईसी इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.58%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,09,697 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 28.17%
- रेटिंग : 4 स्टार

टाटा स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.40%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,06,893 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 24.21%
- रेटिंग : 4 स्टार

कैनरा रोबेको इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.40 %
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,06,846 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.94%
- रेटिंग : 4 स्टार

हाई रिटर्न के साथ जुड़ा हाईरिस्क

ऊपर जिन टॉप 10 इक्विटी फंड्स का डिटेल दिया गया है, उन सभी में हाई रेटिंग और हाई रिटर्न के साथ ही साथ वेरी हाई रिस्क भी जुड़ा हुआ है। यही वजह है कि इनमें निवेश से जुड़ा कोई भी फैसला करने से पहले अपनी जोखिम बर्दाश्त करने की क्षमता को जरूर परख लेना चाहिए। निवेशकों को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि म्यूचुअल फंड्स में पिछले रिटर्न के आगे भी जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती। इसलिए निवेश करने से पहले अपनी क्षमता और लक्ष्य तय कर लें। इसके बाद ही निवेश करें। इससे निवेशकों को परेशानी नहीं होगी और आसानी से अपने पैसे को बढ़ा सकेंगे।

दूसरों को देखकर नहीं चलें, सही आदतें आपको बनाएंगी धनवान

- आपकी एक छोटी सी आदत भविष्य को बचाने में सक्षम
- अनावश्यक खर्च पर रोक लगाएं, सही जगह निवेश करें
- बजट बनाएं, इसके लिए 50/30/20 का नियम फॉलो करें

जानकारी
बिजनेस डेस्क

आज के समय में हर कोई फाइनेंशियली मजबूत और सुरक्षित बनना चाहता है। लेकिन इसके लिए केवल पैसे बचाना ही काफी नहीं है, बल्कि सही आदतें अपनाकर अनुशासित वित्तीय जीवन जीना जरूरी है। ऐसी आदतें आपके भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने में सक्षम हैं। आज के इस दौर में फाइनेंशियल रूप से मजबूत और सेफ महसूस करना हर किसी की चाहत होती है। इसके लिए फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी को समझना और उसको निभाना बहुत जरूरी होता है। यह केवल पैसे बचाने या खर्च करने तक सीमित नहीं होता है, बल्कि यह एक सोच है जो आपको एक अनुशासित और आरामदायक जीवन जीने में मदद करती है। तो समझेंगे फाइनेंशियल रूप से मजबूत बनने के लिए किन बातों का ध्यान रखें। बाजार में जाएं तो ऑफर और दूसरों लोगों को देखकर ललचाएं नहीं, बल्की अपने बजट के हिसाब से ही खरीदारी करें। इससे आप अपने अनावश्यक खर्च पर रोक लगा सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसी की कुछ खास आदतें जो आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगी।

इमरजेंसी फंड को बनाना

लाइफ में कभी भी बिन बुलाए वाली घटनाएं हो सकती हैं, जैसे नौकरी छूटना, अचानक कोई बीमारी आ जाना या घर में कोई बड़ी मरम्मत का काम निकलना आदि। तो ऐसे में, अगर आपके पास एक इमरजेंसी फंड होगा, तो आपको किसी से उधार या फिर लोन लेने या अपनी बचत को हाथ लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह फंड आपके 3 से 6 महीने के मासिक खर्चों के बराबर का होना ही चाहिए।

बजट बनाना और उसका पालन करना

बजट बनाना फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का सबसे अहम कदम माना जाता है.तो इसका मतलब ये है अपनी इनकम और खर्च पर नजर रखना. आप कहां से कमा रहे हैं और कहां खर्च कर रहे हैं, यह जानना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए एक फेमस रूल है 50/30/20 का नियम- 50% इनकम आपकी जरूरतों पर खर्च हो, जैसे किराया, बिजली, और भोजन आदि।

सोच-समझकर इन्वेस्टमेंट करें

केवल पैसे बचाना ही काफी नहीं होता है, इस पैसे को सही जगह पर निवेश करना भी जरूरी होता है, ताकि आपका पैसा बढ़ सके। असल में इन्वेस्टमेंट के कई ऑप्शन होते हैं, जैसे स्टॉक मार्केट, म्यूचुअल फंड, या फिक्स्ड डिपॉजिट. तो अपनी रिस्क क्षमता और अपने टारगेट के आधार पर निवेश करना चाहिए। लॉन्ग टर्म के निवेश आपके बड़े लक्ष्यों, जैसे घर खरीदना या बच्चों की शिक्षा, को पूरा करने में मदद कर सकते हैं। इसलिए जो पैसा बचाएं उसे सही जगह पर निवेश करें जो समय के हिसाब से महंगाई को मात देने में सक्षम हो।

बीमा करवाएं, महत्व समझें

हेल्थ इंश्योरेंस : यह आपको मेडिकल इमरजेंसी में फाइनेंशियल संकट से बचाता है। हमेशा एक अच्छी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी होने से आप अपनी बचत पर अनावश्यक बोझ से बच जाते हैं।

टर्म लाइफ इंश्योरेंस : तो अगर आपके परिवार में आप ही एकमात्र कमाने वाले हैं, तो यह बीमा आपकी अनुपस्थिति में आपके परिवार को फाइनेंशियल हेल्प देने का काम करता है।

दूसरों की देखा-देखी खर्च नहीं करें

अक्सर हम अपने दोस्तों या पड़ोसियों को देखकर फालतू के एस्ट्रा पैसे खर्च करने लगते हैं। इसको लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन कहा जाता है। फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का मतलब है अपनी जरूरतों और क्षमताओं के अनुसार जीना, ना कि दूसरों को इंप्रेस करने के लिए खर्च करना। आपकी आर्थिक स्थिति और लक्ष्य आपके लिए सबसे जरूरी होने चाहिए।

अपने फाइनेंशियल टारगेट को समझना

आपके फाइनेंशियल टारगेट साफ होने चाहिए। चाहे वह रिटायरमेंट के लिए बचत करना हो,या एक नई कार खरीदना हो या कर्ज चुकाना हो, हर टारगेट के लिए एक टाइम लिमिट और एक प्लानिंग होनी चाहिए. अपने टारगेट को छोटे, मध्यम और लंबी अवधि में बांटें। फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का मतलब है कि अपने पैसे को सही तरह से प्लान करें। यह आपको ना केवल वर्तमान में बल्कि फ्यूचर में भी एक सेफ और स्थिर लाइफ जीने का अवसर देता है।

बिजनेस शुरू करने के लिए ऐसे बनाएं 'परफेक्ट' बजट, नहीं होगा नुकसान

- बिजनेस शुरू करने से पहले एक मजबूत बजट बनाना बेहद जरूरी
- सही प्लानिंग से खर्चों पर नियंत्रण, मुनाफे की योजना बनाएं
- फ्यूचर के लिए क्लियर रोडमैप तैयार करें, इसके बाद बिजनेस शुरू करें

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी अपना कोई बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो कुछ नियम फॉलो करें। इससे आपका बिजनेस आगे बढ़ेगा अब नुकसान होगा। बिजनेस शुरू करने के लिए सबसे पहले 'परफेक्ट' बजट बनाएं। इसके बाद उस पर अमल करें। असल में किसी भी बिजनेस के लिए एक मजबूत बजट बनाना उसकी सफलता के लिए बेहद जरूरी होता है। बजट सिर्फ खर्चों को ट्रैक करने के बारे में नहीं है, बल्कि फ्यूचर के लिए एक साफ फाइनेंशियल रोडमैप तैयार करने के बारे में भी होता है। इस रिपोर्ट में आपको ऐसे ही टिप्स बताएंगे जो आपके बिजनेस के लिए बेहतर होंगे। यदि आप इनका पालन करेंगे तो कारोबार में नुकसान होगा और आपकी पूंजी बढ़ेगी। सही प्लानिंग से खर्चों पर नियंत्रण, मुनाफे की योजना और फ्यूचर के लिए क्लियर रोडमैप तैयार किया जा सकता।

रेवेन्यू का विश्लेषण करें

सबसे पहले, आपको अपनी सभी रेवेन्यू स्ट्रीम को पहचानना होगा। आप कम से कम पिछले 12 महीनों के डेटा का विश्लेषण जरूर करें। आप यह देखें कि आपके बिजनेस की मासिक इनकम में कैसे उतार-चढ़ाव आते हैं और क्या कोई सीजनल पैटर्न इसमें काम आया है। यह उदाहरण के लिए, अगर छुट्टियों के मौसम में आय बढ़ सकती है, बकि गर्मियों में कम हो सकती है। इसको समझकर ही आप आने वाले महीनों के लिए आय का अनुमान लगा सकते हैं।

निश्चित लागत घटाएं

इनकम का अनुमान लगाने के बाद, अपने फिक्स कॉस्ट को घटाना चाहिए। ये वो खर्चे हैं जो आपके बिजनेस की एक्टिविटी से नहीं बदलते, जैसे किराया, कर्मचारियों का वेतन, बीमा और संपत्ति लोन। ये खर्चे हर महीने या साल लगभग एक जैसे रहते हैं, इसलिए इन्हें आसानी से घटाया जा सकता है। बजट बनाते समय गैर-जरूरी और बदलने वाले खर्चों को घटाएं। ये खर्चे आपके बिजनेस की गतिविधि के साथ बदलते रहते हैं। तो जैसे-जैसे उत्पादन या बिक्री बढ़ती है, ये खर्चे भी बढ़ने लगते हैं। इनमें कच्चे माल की लागत, घंटे के हिसाब से काम करने वाले कर्मचारियों की मजदूरी आदि शामिल हैं। आप चाहें तो पिछले डेटा का उपयोग करके भी इनका अनुमान लगा सकते हैं।

आपात स्थिति के लिए फंड

बजट बनाते समय, अप्रत्याशित खर्चों के लिए हमेशा कुछ पैसा अलग रखना जरूरी होता है। इसे कंटिजेंसी फंड या इमरजेंसी फंड भी कहते हैं। यह राशि तब काम आती है जब बिजनेस में यूज होने वाला कोई जरूरी चीज अचानक खराब हो जाए या कोई और अप्रत्याशित खर्च आ जाए. ऐसे में एक्सट्रा इमकम को तुरंत खर्च करने की जगह, इस फंड में जमा करना बेस्ट होगा।

अपने बेनेफिट्स को समझें

बजट बनाते समय आप कुल अनुमानित आय से सभी तय और बदलते खर्च घटाएं। ऐसे में बची हुई राशि आपका शुद्ध लाभ है। अगर यह धनात्मक है तो मुनाफा, और अगर ऋणात्मक है तो घाटा। इस आंकड़े की तुलना पुराने बेनेफिट्स से करें, ताकि पता चल सके कि अनुमान सही है या फिर नहीं। ऐसा करके आप काम शुरू करेंगे तो आपको कभी भी नुकसान का सामना नहीं करना पड़ेगा। आपका कारोबार दिन दूनी और रात चौगुनी गति से बढ़ेगा। बिजनेस में आपका भविष्य सुरक्षित रहेगा। काम शुरू करने से पहले एक बार अपने प्रोडक्ट का भी देखें और उसका रिव्यू करते रहे।

बजट का रिव्यू करें

बजट कोई फिक्स डाक्यूमेंट्स नहीं होता है। इसका हर मंथ या तिमाही में रिव्यू करना और जरूरत के अनुसार एडजस्ट करना जरूरी है। जब आपकी इनकम बढ़ती है या खर्चे बदलते हैं, तो आपको अपने बजट में भी चेंज करना होगा। अपने सही प्रदर्शन की तुलना अपने बजट से करें और फिर देखें और समझें कि आप कहां पर अच्छा कर रहे हैं और कहां सुधार की जरूरत फिलहाल है। नियमित रिव्यू करने से आप अपने फाइनेंशियल टारगेट को ट्रैक पर रख सकते हैं।

मुनाफे की निगरानी व समीक्षा

अपने मुनाफे की निगरानी करें और आवश्यकतानुसार बदलाव करें। अपने मुनाफे की समीक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि वे आपके वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर रहे हैं। अपने व्यवसाय के वित्तीय पहलुओं का प्रबंधन करें, जैसे कि आय, व्यय, और मुनाफा। अपने व्यवसाय के नकदी प्रवाह का प्रबंधन करें, जैसे कि आय और व्यय का समय पर प्रबंधन।

बाजार अनुसंधान व विश्लेषण

अपने उत्पाद या सेवा के लिए बाजार की मांग और प्रतिस्पर्धा का विश्लेषण करें। अपने ग्राहकों की जरूरतों और पसंदों का विश्लेषण करें। अपने वित्तीय लक्ष्यों और बाजार अनुसंधान के आधार पर व्यवसाय योजना का निर्माण करें। मुनाफे की रणनीति तैयार करें, जैसे कि मूल्य निर्धारण, विपणन, और बिक्री।

अलर्ट 25, 30 और 35 की उम्र वाले एसआईपी के लिए प्लानिंग करें, अगर निवेश में देरी करते हैं तो लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होगा

निवेश शुरू करने में जितनी जल्दी करेंगे, लक्ष्य उतनी ही जल्दी मिलेगा, अपने टारगेट को हासिल करने के लिए उम्र के हिसाब से निवेश बढ़ाना होगा

रिटायरमेंट पर चाहिए 10 करोड़ तो उम्र के हिसाब से करें प्लानिंग, भविष्य होगा सुरक्षित

समझदारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप 25 साल के हैं और आपसे पूछा जाए कि आपको रिटायरमेंट के समय कितना फंड चाहिए। आज से 35 साल बाद और महंगाई को देखते हुए रिटायरमेंट पर 10 करोड़ फंड आपकी नॉन वर्किंग लाइफ को आसान बना सकते हैं। यही 10 करोड़ का फंड हासिल करने के लिए अगर आप तुरंत सही से प्लानिंग करें तो यह आसान होगा, लेकिन जैसे जैसे देरी करते जाएंगे, यह फंड उतना ही दूर होता जाएगा। इसलिए अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए समय से प्लानिंग करें। आप जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे उतनी जल्दी ही करोड़पति बनेंगे। बस आपको अपना लक्ष्य और रिस्क क्षमता को देखकर निवेश करना होगा। रिटायरमेंट पर दस करोड़ का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं तो आज आपकी जो उम्र है उसके हिसाब से प्लानिंग करें। तभी यह लक्ष्य हासिल कर पाएंगे। 25, 30 और 35 की उम्र वाले एसआईपी के लिए बेहतर प्लानिंग कर सकते हैं। इससे आपका भविष्य सुरक्षित होगा और बच्चों के खर्चों में भी दिक्कत नहीं होगी।

निवेश में देरी लक्ष्य को बनाएगा मुश्किल

अगर हम निवेश में देरी करते हैं तो लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होता जाता है. अगर आप रिटायरमेंट (60 साल) पर 10 करोड़ रुपये का लक्ष्य (**Retirement Corpus**) ध्यान में रखकर निवेश करते हैं और अनुमानित रिटर्न 12 फीसदी सालाना मानते हैं तो 20 साल के निवेशक जहां हर महीने 8,500 रुपये एसआईपी करनी होगी, वहीं 30 साल वालों को करीब 28,500 रुपये. अगर 40 की उम्र में आ गए तो इस लक्ष्य को पाने के लिए हर महीने 1,00,000 रुपये निवेश करना होगा. इसलिए निवेश जितना जल्दी हो सके, शुरू करें।

20 की उम्र में निवेश ऐसे करें
- मंथली एसआईपी : 8500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12%
- इयूरेशन : 40 साल
- 40 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,10,00,572 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 40 साल में कुल निवेश : 40,80,000 रुपये (करीब 41 लाख रुपये)

25 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 15,500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- इयूरेशन : 35 साल
- 35 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,06,76,671 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 35 साल में कुल निवेश : 65,10,000 रुपये (करीब 65 लाख रुपये)

30 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 28500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- इयूरेशन : 30 साल
- 30 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,06,02,543 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 30 साल में कुल निवेश : 1,02,60,000 रुपये (करीब 1 करोड़ रुपये)

35 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 53,000 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- इयूरेशन : 25 साल
- 25 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,05,74,660 रुपये (करीब 10.06 करोड़ रुपये)
- 25 साल में कुल निवेश : 1,59,00,000 रुपये (करीब 1.59 करोड़ रुपये)

40 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 1,00,000 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12% ● इयूरेशन : 20 साल
- 20 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 9,99,14,792 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 20 साल में कुल निवेश : 2,40,00,000 रुपये (करीब 2.40 करोड़ रुपये)

लम्प सम : 100 गुना रिटर्न

एक रिपोर्ट के अनुसार अगर आप 20 की उम्र में 1 लाख रुपये लम्प सम निवेश करते हैं और उस पर 12 फीसदी सालाना रिटर्न मिले तो 60 की उम्र तक आपकी दौलत बढ़कर 93 लाख रुपये हो जाएगी। लेकिन अगर आपने यह निवेश 25 साल की उम्र में किया होता, तो आपके निवेश की वैल्यू 53 लाख रुपये होगी। अगर आपने 30 साल की उम्र में यही निवेश किया होता तो 60 की उम्र में वैल्यू 29 लाख रुपये होगी। और अगर आपने 40 साल की उम्र में यही निवेश किया होता तो 60 की उम्र में वैल्यू सिर्फ 9 लाख रुपये होगी। यानी, जितनी देर से शुरुआत करेंगे, फायदा उतना ही कम होगा। इसलिए बेहतर है कि निवेश की शुरूआत जितना जल्दी हो, उतना जल्दी करें। एसआईपी कैलकुलेशन में भी आपने देखा होगी कि देर से निवेश करने पर लक्ष्य हासिल करने के लिए अर्ली इन्वेस्टर्स की तुलना में कई गुना अमाउंट निवेश करना पड़ता है।

खबर संक्षेप

ब्लैक फिल्म व प्रेशर हार्न लगे डंपर का चालान

हांसी। ट्रैफिक पुलिस ने शनिवार को रामायण टोल प्लाजा पर चैकिंग के दौरान एक डंपर को रुकवाया। डंपर की खिड़की पर ब्लैक फिल्म लगी हुई थी तथा चालक द्वारा डंपर में अलग से प्रेशर हॉर्न लगवाया हुआ था। इस पर ट्रैफिक पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर ट्रक का 25,000 रुपये का चालान किया गया। ट्रैफिक एसएचओ इंस्पेक्टर सुनील कुमार ने वाहन चालकों से अपील करते हुए कहा कि सभी वाहन चालक यातायात नियमों का पालन करें, और अपने वाहन पर ब्लैक फिल्म तथा प्रेशर हॉर्न जैसे अवैध उपकरण लगवाने से बचें।

56.520 किलोग्राम गांजा बरामद किया

हिसार। स्पेशल स्टाफ पुलिस टीम ने गश्त के दौरान गांव किरमारा स्थित खेतों से किरमारा निवासी प्रमोद कुमार को काबू कर उसके कब्जे से 56.520 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। जांच अधिकारी एएसआई विक्रांत ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने आरोपी को खेत में चारपाई के पास दबोचा। उप अधीक्षक किशोरी लाल की मौजूदगी में तलाशी ली गई, जिसमें तीन कट्टों से क्रमशः 19.980, 19.970 और 16.570 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। कुल 56.520 किलो गांजा कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ अग्रोहा थाना में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

अध्यापक के घर से नकदी व आभूषण चोरी

सिरसा। शहर के कीर्तिनगर स्थित एक सरकारी अध्यापक के मकान से चोर हजारों की नकदी व आभूषण चुरा कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में कीर्ति नगर गली नंबर 6 निवासी धर्मवीर ने बताया कि वह अलसुबह किसी काम से बाहर गया हुआ था और घर पर नहीं था। पिता ओमप्रकाश घर के बाहर बने नीचे वाले कमरे में सो रहे थे। उसकी पत्नी व दोनों बच्चे छत के ऊपर बने कमरे में सो रहे थे। तब बाइक पर तीन अज्ञात युवक आए और घर के मेन गेट का ताला तोडक़र अंदर घुस गए। उस दौरान एक युवक गेट के बाहर खड़ा रहा और बाकी दोनों युवक अंदर चले गए। इस दौरान घर में रखी अलमीरा व संदूक से करीब 25 हजार रुपए की नकदी व साढे तीन तोले आभूषण चोरी कर ले गए।

चौ. देवीलाल जयंती का दिया निमंत्रण

रानियां। रानियां के विधायक अर्जुन सिंह चौटाला ने कहा कि हरियाणा के वास्तविक विकास की नींव चौधरी देवीलाल व पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला ने रखी थी और समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं बनाकर उन्हें लागू किया जिससे सभी वर्ग लाभान्वित हुए। अर्जुन चौटाला शनिवार को दो दिवसीय जनसंपर्क अभियान के तहत पहले दिन गांव भंभूर, नानकपुर, टीटूखेड़ा, नानुआना, मंगालिया, फतेहपुरिया आदि अनेक गांवों में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। विधायक अर्जुन चौटाला ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा सदैव विकास की विरोधी रही हैं और यही कारण है कि दोनों राजनीतिक दलों ने भेदभावपूर्ण नीति का अनुसरण करते हुए लोगों को उन्हें दी जाने वाली सुविधाओं से महरूम रखा।

कभी नगर पालिका, कभी ग्राम पंचायत बनने की परेशानी झेल रहे आदमपुर के लोग

आदमपुर। आदमपुर को कभी नगरपालिका तो कभी ग्राम पंचायत बनाने के उलट फेर का दंश इस समय गांव आदमपुर, आदमपुर मंडी व जवाहर नगर की जनता झेल रही है। आदमपुर नगरपालिका भंग हुए करीब एक साल से ज्यादा समय हो गया है और गांव आदमपुर को अलग किए तीन साल हो गए है लेकिन इन गांवों में अभी तक फैमिली आईडी के अंदर आदमपुर नगरपालिका का नाम चल रहा है जिससे लोगों को फैमिली आईडी में कुछ भी बदलाव करवाने में बहुत सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और जनता इधर से उधर विभागों की ठोकरे खाने को मजबूर है। इसके अलावा इसके अलावा डोमिसाइल बनवाने जाति प्रमाण पत्र बनाने वोट बनाने आधार कार्ड बनाने के लिए भी लोगों को भटकना पड़ रहा है क्योंकि अभी तक आदमपुर में नगर पालिका या ग्राम पंचायत के पिछले चार साल से चुनाव न होने के चलते जनप्रतिनिधि नहीं है जिसके चलते आदमपुर मंडी के लोगों के आवेदन फार्म पर अन्य सरकारी कार्यों पर कोई भी तस्दीक करने के लिए तैयार नहीं है।

गांव आदमपुर को तो आदमपुर नपा से निकले हुए तीन साल से ज्यादा का समय हो गया हैं लेकिन आज भी वहां की फैमिली आईडी में पता इत्यादि बदलाने में या नई फैमिली आईडी बनाने में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। संबंधित अधिकारी से जब आदमपुर खंड कार्यालय में पूछा गया तो उन्होंने भी अपनी असमर्थता जताते हुए इसे हेड क्वार्टर लेवल पर लंबित बताया और हेल्प लाइन नंबर पर शिकायत दर्ज करवाने की बात कही। जब परिवार पहचान पत्र की हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क किया गया तो उन्होंने भी इसे अभी तक लंबित बताया। कुल मिलाकर आदमपुर मंडी सहित तीन गांवों के हजारों लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

शहर के सेक्टर 13 के लोगों में रोष पनपा

पेयजल में हो रही सीवरेज के दूषित पानी की सप्लाई

- घरों में 4 माह से गन्दे पानी की सप्लाई जारी, एचएसवीपी नहीं ढूंढ पाया लीकेज
- ऑल सेक्टर रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने पेयजल पाइप लाइन बदलने की उठाई मांग
- जल्द समाधान नहीं तो सेक्टरवासी करेंगे एचएसवीपी दफ्तर का घेराव : वत्स

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

शहर के पॉश एरिया सेक्टर 13 के लोग पिछले लगभग 4 महिने से दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। दरअसल सेक्टर 13 में पिछले लगभग 4 महीने से घरों में पेयजल सप्लाई के साथ सीवरेज व बरसाती नाले का गन्दा व बदबूदार पानी मिक्स होकर आ रहा है।

इस पूरे मामले को लेकर सेक्टरवासियों द्वारा एचएसवीपी अधिकारियों के समक्ष बार- बार गुहार लगा चुके हैं लेकिन 4 माह बाद भी समस्या का समस्या का समाधान नहीं हुआ। इसके कारण सेकटरवासियों में काफी रोष है। ऑल सेक्टर रेजिडेनटस वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप वत्स ने बताया कि सेक्टर 13 में पिछले लगभग चार माह से पेयजल सप्लाई के साथ घरों में सीवरेज का दूषित पानी मिक्स होकर आ रहा है। जिसके कारण सेक्टर के हजारों परिवार परेशान है, इस मामले को लेकर एचएसवीपी के उच्च अधिकारियों को भी अवगत कराया जा चुका है लेकिन एचएसवीपी चार माह बाद भी सप्लाई लाइन की लीकेज ढूंढने में पूरी तरह नाकाम रहा है। घरों में बार-बार पेयजल सप्लाई के साथ सीवरेज व बरसाती नालों का गन्दा पानी आने से लिवर व पेट खराब होने सहित अनेक स्वास्थ्य सम्बन्धित चिंताए बढ़ी हुई है। सेक्टरवासी अपने घरों में बने वाटर टैंक को बार-बार साफ करवा चूके हैं। गन्दा पानी आने से घरों में लगे आरो सिस्टम खराब हो चुके हैं। सेकटरवासी जेब से पैसे देकर घरों में टैंकर से पानी डलवा रहे हैं तथा पीने के लिए कैंम्पर या दुकानों से मिनरल पानी खरीद कर पीने को मजबूर हैं। एचएसवीपी अधिकारी इस मामले का समाधान करने में कोई गम्भीरता नहीं दिखा रहे। ये लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ा गम्भीर मामला है यदि जल्द इसका समाधान नहीं हुआ तो सेकटरवासियों की बैठक बुलाकर आन्दोलन की रूप रेखा तैयार की जायेगी। एचएसवीपी कार्यालय का घेराव कर रोष-प्रदर्शन किया जायेगा।

हिसार। घरों में पेयजल सप्लाई के साथ आता बदबूदार पानी।

बरसाती नाले की सफाई नहीं होने से बढ़ी समस्या

सेक्टरवासियों के अनुसार नगर निगम द्वारा सेक्टर 13 में घरों से बरसाती पानी की निकासी के लिए ड्रेनेज यानि बरसाती नाला बनाया हुआ है। जिसकी नगर निगम द्वारा लम्बे समय से सफाई नहीं की गई है। यह ड्रेनेज कई स्थानों पर बरसाती पानी व सीवरेज के गन्दे पानी से भरा हुआ है। इसकी निकासी का कोई उचित प्रबंधन नहीं है और इस बरसाती नाले के अन्दर से लोगों की पेयजल पाइप लाइन गुजर रही हैं। जिसमें लीकेज होने से पेयजल सप्लाई के साथ गन्दा पानी घरों में आ रहा है।

बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिखाई अपनी प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उकलाना

कृष्णा देवी गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्व-परिचय एवं बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर कक्षा नर्सरी से 3 तक के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने स्व-परिचय प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने आत्मविश्वास, अभिव्यक्ति क्षमता और वक्तृत्व कौशल का प्रदर्शन किया।

बच्चों ने पूरे आत्मबल के साथ मंच पर आकर अपने बारे में बताते हुए सबका मन मोह लिया। कक्षा 4 से 12 तक के विद्यार्थियों ने बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता में भाग लेकर अनुपयोगी सामग्री को नई दृष्टि और सृजनशीलता के साथ प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने पुराने समाचार पत्र, गत्ते, प्लास्टिक की बोतलें, सीडी, पुराने कपड़े और अन्य अप्रयुक्त वस्तुओं का प्रयोग कर सुंदर पेन स्टैंड, सजावटी शोपीस, उपयोगी घरेलू सामान, टेबल डेकोरेशन और पर्यावरण संदेश देने वाली विभिन्न वस्तुएं तैयार कीं। विद्यालय की निदेशिक काजल धायल ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं केवल मनोरंजन नहीं करतीं बल्कि बच्चों में आत्मविश्वास, मौलिक सोच और रचनात्मकता का विकास करती हैं।

फर्जी फार्म तैयार कर धोखाधड़ी करने के मामले में आरोपी काबू

नारनौंद। पुलिस ने नारनौंद में महिला एवं बाल विकास परियोजना विभाग में मातृत्व वंदना योजना के फर्जी फार्म तैयार कर हजारों रुपयों की धोखाधड़ी करने मामले में एक आरोपित युवक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपित को कोर्ट में पेश करके एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। आरोपित युवक की पहचान रामगोपाल निवासी नरवाना हाल शिवालिक कॉलोनी अम्बाला के रूप में हुई है। डीएसपी मुख्यालय विनोद शंकर के कुशल नेतृत्व में आर्थिक अपराध शाखा इंचार्ज इंस्पेक्टर पवित्र ने बताया कि आरोपित युवक वर्ष 2021 में सीडीपीओ कार्यालय नारनौंद में बतौर डाटा एंट्री ऑपरेटर होते हुए प्रधानमन्त्री मातृत्व वंदना योजना के तहत 628 आवेदकों के फर्जी फार्म तैयार कर धोखाधड़ी करके हजारों रुपए ऐंठता था। इस सम्बन्ध में आरोपित युवक के खिलाफ थाना नारनौंद में मामला दर्ज हुआ था।

चोरी मामले में आरोपी गिरफ्तार, चांदी के आभूषण व 20 हजार रुपये बरामद

आदमपुर। आदमपुर पुलिस ने चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान बीपीएल कॉलोनी, मंडी आदमपुर निवासी संदीप उर्फ सनी के रूप में हुई है। जांच अधिकारी एएसआई शक्ति सिंह ने बताया कि बीपीएल कॉलोनी मंडी आदमपुर निवासी गंगा ने 10 जुलाई को शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके घर से आभूषण और नकदी चोरी हो गई है। शिकायत के आधार पर केस दर्ज करके जांच शुरू की गई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके कब्जे से चांदी के आभूषण और 20 हजार रुपये बरामद किए गए हैं। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी शिकायतकर्ता के घर पर पशुओं का काम करता था। आरोपी को पूछताछ के बाद अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

होली चाइल्ड की हरिलक्ष्मी ने मुक्केबाजी में जीता गोल्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

होली चाइल्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल की कक्षा आठवीं की छात्रा हरिलक्ष्मी ने जिला स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिता के मुक्केबाजी मुकाबले में गोल्ड मेडल जीतकर अपने विद्यालय, खेल प्रशिक्षक एवं परिवार का नाम रोशन किया है।

विद्यालय के प्रबंध निदेशक आर.एस. सिंधु ने हरिलक्ष्मी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ खेलों को भी समान महत्व देता है और यही कारण है कि विद्यालय के विद्यार्थी हर प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए पदक जीतकर लौटते हैं। विद्यालय की प्रधानाचार्या अनीता पन्नू दलाल ने खुशी जाहिर की। विद्यालय के खेल प्रशिक्षक रामनिवास श्योकंद ने बताया कि हरिलक्ष्मी ने कुछ ही महीनों पहले बॉक्सिंग खेलना शुरू किया था। हरिलक्ष्मी की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार और परिजनों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

हिसार। प्रबंध निदेशक आरएस सिंधु एवं प्रधानाचार्या अनीता पन्नू के साथ छात्रा हरिलक्ष्मी।

अग्नि सदन के लिए छात्रा आर्ची बनी कप्तान

- लक्ष्मीबाई त्रिलोकचंद स्कूल में अलंकरण समारोह आयोजित
- हेमंत हेड ब्वॉय व यामिनी हेड गर्ल के रूप में अलंकृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

भिवानी रोहिल्ला स्थित महारानी लक्ष्मीबाई त्रिलोकचंद स्कूल में शनिवार को अनुशासन व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित करने के लिए विद्यालय प्रबंधन समिति के द्वारा स्कूल में अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत अग्नि सदन के लिए कक्षा 11वीं वाणिज्य संकाय की छात्रा आर्ची को कप्तान व कक्षा नौवीं की छात्रा नियति को उप कप्तान, आकाश सदन के लिए कक्षा 11वीं की कला संकाय की छात्रा दीपिका को कप्तान व कक्षा नौवीं की छात्रा चार्वी को उप कप्तान, वायु सदन के लिए कक्षा 11वीं की विज्ञान संकाय की छात्रा तमन्ना को कप्तान व कक्षा नौवीं की छात्रा पल्लवी को उप कप्तान, पृथ्वी सदन के लिए कक्षा 11वीं की कला संकाय की छात्रा दीप्ति को कप्तान और कक्षा नौवीं की छात्रा नेहा को उप कप्तान घोषित किया गया। कक्षा 12वीं के वाणिज्य संकाय के छात्र हेमंत को हेड ब्वॉय व विज्ञान संकाय की छात्रा यामिनी को हेड गर्ल के रूप में अलंकृत किया गया। सभी निर्वाचित सदस्यों को स्कूल प्राचार्य डॉ. सरिता शर्मा, स्कूल प्रबंधक अजीज प्रधान व प्रभारी अध्यापकों द्वारा उन्हें बैच लगाकर व ध्वज देकर सम्मानित किया गया। कॉलेज प्राचार्य डॉ. शमीम शर्मा ने नवनिर्वाचित समिति को शुभकामनाएं दी।

हिसार। निर्वाचित सदस्यों को स्कूल प्राचार्य डॉ. सरिता शर्मा व कॉलेज प्राचार्या डॉ. शमीश शर्मा।

आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस में विजेता छात्र और छात्राओं को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस, मिलकपुर में प्रातः सभा के दौरान विद्यालय के उन छात्रों को सम्मानित किया गया जिन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

हाल ही में भिवानी पब्लिक स्कूल, भिवानी में आयोजित अंतर-विद्यालय हिंदी कविता वाचन प्रतियोगिता में विद्यालय की प्रतिभाशाली छात्राएं कक्षा 7वीं की भावना एवं कक्षा 9वीं की भावना ने विद्यालय का प्रतिनिधित्व किया और 7वीं की भावना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया और विद्यालय को गौरवान्वित किया। दोनों छात्राओं का मार्गदर्शन हिंदी प्रवक्ता ममता शर्मा द्वारा किया गया। इसी क्रम में विद्यालय की आयु वर्ग 19 की खो-खो टीम ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस शानदार जीत के साथ ही अब विद्यालय की टीम राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में विद्यालय एवं जिले का प्रतिनिधित्व करेगी। इस अवसर पर विद्यालय चेयरमैन आनंद यादव ने विजेता छात्राओं को आशीर्वाद देते हुए कहा कि ऐसे मंच छात्रों को अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर देते हैं। विद्यालय प्राचार्य नितीश मिश्र ने सभी विजेता छात्रों को हार्दिक बधाई दी। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक साहिल यादव, उपप्राचार्या गीता यादव, प्राथमिक पाठशाला प्रभारी प्रोमिला यादव सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

जैन स्कूल में पुरस्कार वितरण समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

जैन गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की प्रतिभा को सम्मानित करना तथा उनके उत्साह को और अधिक प्रबल करना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जैन स्कूल कमेटी के सदस्य नवीन जैन, सुनील जैन, प्रवीन जैन उपस्थित रहे। विद्यालय की प्रधानाचार्या हेमा चावला एवं सभी अध्यापिकाओं ने उनका स्वागत किया गया। राज्य स्तर पर आयोजित भारत विकास परिषद, केशव शाखा कार्यक्रम जो की स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित किया गया था तथा जिसमें विभिन्न स्कूलों द्वारा भाग लिया गया था। जैन स्कूल की छात्राओं ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सोलो डांस में द्वितीय स्थान प्राप्त करके स्कूल का नाम रोशन किया था। पुरस्कार वितरण समारोह में इन सभी छात्राओं को पुरस्कृत करके सम्मानित किया गया।

हिसार। छात्राओं को सम्मानित करते अतिथि व स्टाफ सदस्य।

हिंदू स्कूल में सीबीएसई नार्थ जोन शूटिंग स्पर्धा के विजेताओं को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

सिसाय रोड स्थित हिंदू सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 16 से 22 अगस्त तक आयोजित सीबीएसई नार्थ जोन शूटिंग प्रतियोगिता शनिवार को प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन के साथ सम्पन्न हो गई। प्रतियोगिता में विभिन्न प्रदेशों के स्कूलों से आए विभिन्न आयु वर्ग के 1225 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

समापन समारोह में एसडीएम राजेश खोथ ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की और विजेता खिलाड़ियों को ट्राफी, पदक और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। शूटिंग प्रतियोगिता में हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश व जम्मू-कश्मीर सहित नार्थ के राज्यों के अनेकों विद्यालयों से आए खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और निशानेबाजी कौशल का अदभुत प्रदर्शन किया। समापन समारोह का शुभारंभ सरस्वती मां के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा स्वागत गीत के साथ की गई। इस अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि एसडीएम राजेश खोथ ने कहा कि खेल बच्चों के सर्वांगीण विकास का आधार है। विद्यालय प्राचार्य अनिल कुमार ने कहा कि खेल प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को अनुशासन, आत्मविश्वास और भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने बताया कि विद्यालय प्रबंधन की ओर भविष्य में भी ऐसे राष्ट्रीय स्तर के आयोजन विद्यालय में निरंतर प्रोत्साहित किए जाएंगे।

हांसी। शूटिंग प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को ट्राफी और मेडल प्रदान करते आयोजन समिति सीबीएसई खेल प्रकोष्ठ के अधिकारी।

गाजर घास सभी के लिए गंभीर समस्या : डॉ. गर्ग

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग एवं खरपतवार अनुसंधान निदेशालय जबलपुर द्वारा संयुक्त रूप से गाजर घास उन्मूलन जागरूकता सप्ताह मनाया गया। इस दौरान इस घास से संबंधित जानकारियां दी गई। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि प्रकृति में अत्यंत महत्वपूर्ण वनस्पतियों के अलावा कुछ वनस्पतियां ऐसी भी है जो धीरे-धीरे एक अभिशाप का रूप लेती जा रही है। बरसात का मौसम शुरू होते ही गाजर की तरह की पत्तियों वाली एक वनस्पति काफी तेजी से बढवे और फैलने लगती है। गाजर घास को सभी के लिए गंभीर समस्या बताते हुए उन्होंने कहा कि यह पूरे वर्ष भर खाली स्थान एवं अनुपयोगी भूमि पर उगता और फलता फूलता रहता है। सस्य विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार यादव ने गाजर घास के प्रवेश से लेकर इसकी विकरालता और इससे कृषि, मानव और पशुधन पर होने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर अखिल भारतीय खरपतवार अनुसंधान परियोजना हिसार केंद्र के मुख्य अन्वेषक डॉ. टोडरमल पूनिया, डॉ. पारस कम्बोज, डॉ. एसके ठकराल, डॉ. वीरेंद्र हुड्डा, डॉ. आरएस दादरवाल, डॉ. कौटिल्य, डॉ. भगत सिंह, डॉ. सुशील कुमार,आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

किसान सभा का सम्मेलन तीन को उकलाना में

बरवाला। अखिल भारतीय किसान सभा बरवाला-उकलाना तहसील की संयुक्त बैठक मास्टर फूल सिंह व श्रवण कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में बरवाला में सम्पन्न हुई। मंच का संचालन तहसील सचिव दयानंद ढुकिया ने किया। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि किसान सभा उकलाना तहसील का सम्मेलन 3 सितंबर को उकलाना में और बरवाला तहसील का सम्मेलन 6 सितंबर को बरवाला में किया जाएगा।

ढाणी गारण अब होगा हंस नगर

बरवाला। गांव हंस नगर के सरपंच प्रतिनिधि रोहतास दुग्गल ठेकेदार ने कहा कि गांव ढाणी गारण का नाम हंस नगर कर दिया गया है। सरकार ने गांव ढाणी गारण का नाम हंस नगर करने का पत्र भी जारी कर दिया गया है। इस बारे में ग्राम पंचायत ने प्रसन्नता व्यक्त की है। सरपंच प्रतिनिधि रोहतास दुग्गल ठेकेदार बताया कि इस उपलक्ष्य में ग्राम पंचायत हंस नगर द्वारा 24 अगस्त को बरवाला रेलवे पुल गांव के स्वागत गेट के पास हवन किया जाएगा। मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा द्वारा शिरकत की जाएगी। पुरोहित की देखरेख में हिंदू रीति रिवाज के अनुसार हवन करने के बाद ढाणी गारण के बोर्डों समेत सभी जगहों पर हंस नगर लिखवा दिया जाएगा।

मोक्ष के लिए भजन परमावश्यक : सत्यानंद

उकलाना। अखिल भारतीय सोहम महामंडल शाखा उकलाना के तत्त्वावधान में चल रहे सत्संग के पांचवें और अंतिम दिन सोहं पीठाधीश्वर स्वामी सत्यानन्द ने श्रोताओं को संबोधित करके कहा कि चाहे असंभव कार्य संभव हो जाएं जैसे चाहे जल को मथने पर घी प्राप्त हो जाए, चाहे बालू को कोल्हू में पेरने पर भले तेल निकल आए किंतु भगवद्भजन विना मोक्ष संभव नहीं। इसलिए मोक्ष हेतु भजन करना अति आवश्यक है। भजन से अंतःकरण शुद्ध होता है।

ओशो ध्यान उपवन में दो दिवसीय शिविर शुरू

हिसार। साधकों को जीने की सही राह दिखाने में जुटे ओशो ध्यान उपवन में मीरा प्रेम दीवानी दो दिवसीय ध्यान शिविर की शुरुआत की गई। इस शिविर के पहले दिन विभिन्न सत्र आयोजित करके साधकों को प्रभु के प्रति सच्चे प्रेम का महत्व समझाया गया। इसके साथ ही उन्हें ध्यान साधना का अभ्यास करवाकर खुशहाल व तनाव रहित जीवन जीने की कला से रूबरू करवाया गया।

कार्यों में कटौती के खिलाफ प्रदर्शन 28 को

हिसार। मनरेगा मेट संगठन ब्लॉक हिसार की एक मीटिंग प्रधान रमेश नापा की अध्यक्षता में बी.डी.ओ. ब्लॉक हिसार के हॉल कमरे में हुई। इस मीटिंग में संगठन के सभी मनरेगा मेट शामिल हुए। रमेश नापा ने बताया कि सेंटर की मोदी सरकार ने हरियाणा में नरेगा कार्यों को बंद कर दिया है। मनरेगा कार्यों को बंद करने के विरोध में मेटों व मजदूरों द्वारा 28 को लघु सचिवालय पर प्रदर्शन किया जाएगा।

शिकारपुर में बेटा होने पर बधाई लेने पहुंचे किन्नर एक लाख रुपये लेने पर अड़े, पुलिस बुलानी पड़ी

पुलिस के सामने तेवर ढीले पड़े, किन्नर रोने लगे तो परिजनों ने ही समझाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

सदर क्षेत्र के गांव शिकारपुर में परिवार में बेटा पैदा होने की खुशी में बधाई लेने पहुंचे किन्नरों से परेशान होकर परिवार ने पुलिस बुलाकर अपना पीछा छुड़ववाया। किन्नर बधाई में एक लाख रुपये लेने पर अड़े थे और मान नहीं रहे थे तो परेशान परिवार को पुलिस बुलानी पड़ी। पुलिस के पहुंचने पर किन्नरों के तेवर ढीले पड़ गए और वे रोने लगे, जिन्हें परिजनों ने ही समझाकर शांत किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नजदीकी गांव शिकारपुर में मसुदीराम घोड़ेला के परिवार में छह दिन पहले पोते का जन्म हुआ था। इसकी खबर किन्नरों को चली तो वे बधाई मांगने पहुंच गए।किन्नरों ने बधाई में एक लाख रुपये की मांग की मगर परिवार ने कहा कि हमारे खेत पानी में डूबे हुए हैं और अभी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। परिवार ने अपनी खुशी से पांच हजार रुपए किन्नरों को देने चाहे तो उन्होंने मना कर दिया। इसके बाद किन्नरों ने तेज-तेज बोलना शुरू कर दिया। शर्म के मारे परिवार दो हजार रुपये और देने पर राजी हुआ मगर किन्नर अड़े रहे। इसके बाद किन्नरों ने 51 हजार देने को कहा मगर परिवार ने कहा इतने पैसे हम नहीं दे सकते। इसके बाद किन्नरों ने 21 हजार मांगे मगर परिवार ने कहा कि आप किसी की मजबूरी समझो और जो हम खुशी से दे रहे हैं वो ले लो। इसके बाद 11 हजार मांगे। दो घंटे तक हंगामे के बाद परिवार दो हजार और देने को तैयार हो गया, मगर किन्नर अड़े रहे।

हिसार। पुलिस आने के बाद रोने लगे किन्नरों को समझाते परिजन।

मजबूर होकर डायल करना पड़ा 112

लड़के के पिता प्रवीण ने बताया कि किन्नरों को हम 9000 रुपये तक देने को राजी हो गए ताकि वह बेटे को आशीर्वाद दे सके। मगर किन्नर 11 हजार रुपये लेने पर अड़ गए। कई देर तक जब वो नहीं मांगे तो मजबूर होकर डायल 112 बुलानी पड़ी। प्रवीण ने बताया कि हम अपनी खुशी से जो रकम दे रहे हैं उसे किन्नरों को ले लेना चाहिए था मगर वह जिद पर अड़ गए और हंगामा करने लगे। डायल 112 आने के बाद किन्नरों के तेवर ढीले पड़ गए।

किन्नर पर पैसे के लिए जबरदस्ती का आरोप

डायल 112 में पहुंचे पुलिसकर्मी संदीप कुमार ने बताया कि किन्नरों के मामले में वह आए हैं। परिवार का आरोप है कि किन्नर जबरदस्ती कर रहे हैं और मान नहीं रहे। पुलिसकर्मियों ने कहा कि बाद में किन्नर परिवार की मर्जी से पैसे लेने पर राजी हो गए। परिवार की ओर से कोई लिखित में शिकायत नहीं दी गई। किन्नरों को चेताया गया है कि आगे से इस तरह की बात दोबारा आएगी तो कार्रवाई की जाएगी।

परिवार जो खुशी से देगा हम ले लेंगे : किन्नर

किन्नरों का कहना है कि यह परिवार नौकरी पेशे वाला परिवार है इसलिए यहां हमने 11 हजार रुपए मांगे। गांव में गरीब घरों में हम 200 से 300 रुपये भी लेते हैं, मगर परिवार नहीं माना। परिवार जो खुशी से देगा हम ले लेंगे।

एटीएम कार्ड बदलकर 50 हजार चुराने वाला आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

सदर पुलिस ने एटीएम कार्ड बदलकर 50 हजार रुपये की चोरी करने के मामले में उत्तर प्रदेश के सहारनपुर स्थित सरस्वती बिहार कॉलोनी जगमोहन को गिरफ्तार किया है। जांच अधिकारी उप निरीक्षक नवीन कुमार ने इस संबंध में सातरोड कैंट निवासी सतेंद्र नारायण राय ने शिकायत दी थी। शिकायत के अनुसार इस वर्ष 9 मार्च को वह कैंट मार्केट स्थित पीएनबी बैंक के एटीएम से पैसे निकालने गया था। इस दौरान एक व्यक्ति उसके पास खड़ा था। मशीन में कार्ड डालने पर रिमूव कार्ड का विकल्प आने से वह पैसे नहीं निकाल पाया और वहां से चला गया।

कुछ समय बाद उसके अकाउंट से 15, 10 और 25 हजार रुपये की तीन ट्रांजेक्शन में कुल 50 हजार रुपये निकलने का मैसेज आया। बैंक से जानकारी करने पर पता चला कि उसका एटीएम कार्ड बदल दिया गया है। इस पर पुलिस ने केस दर्ज करके जांच शुरू की।

जांच में सामने आया कि आरोपी जगमोहन पहले भी इसी प्रकार की वारदातों को अंजाम दे चुका है। उसके खिलाफ सहारनपुर, अंबाला और हिमाचल प्रदेश में भी मामले दर्ज हैं। आरोपी भोले-भाले और बुजुर्ग व्यक्तियों को एटीएम बूथ के अंदर मदद करने के बहाने पिन नंबर देख लेता है और चालाकी से उनका कार्ड बदलकर अकाउंट से रुपए निकाल लेता है। आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। उससे गहन पूछताछ जारी है।

हिसार। एटीएम बदलकर पैसे निकालने का आरोपी पुलिस गिरफ्त में।

आज के दौर में बेटियों को सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग बेहद जरूरी : मलिक

■ राजकीय प्राथमिक पाठशाला पुलिस लाइन में छात्राओं के लिए लगाया शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

राजकीय प्राथमिक पाठशाला पुलिस लाइन सेक्टर 16-17 में छात्राओं के लिए एक सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में सेल्फ डिफेंस कोच ताइक्वांडो ब्लैक बेल्ट रोहतास कुमार ने छात्राओं को सेल्फ डिफेंस का प्रशिक्षण दिया। यह शिविर स्कूल की मुख्य अध्यापिका रीटा मलिक के देख-रेख में आयोजित किया। इस अवसर पर मुख्य अध्यापिका रीटा मलिक के अलावा शिक्षिकाएं मुन्नी, सुशीला व निताक्षी भी मौजूद रहीं। इसके साथ ही स्कूल में जेबीटी की ट्रेनिंग लेनी पहुंची युवतियों को भी सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग दी गई।

स्कूल प्रिंसिपल ने कहा कि आज के दौर में जब बेटियों के साथ अपराधिक घटनाएं बढ़ रही हैं तो उन्हें अपनी सुरक्षा खुद करने में निपुण होना जरूरी है। शिविर में कक्षा पहली से पांचवीं तक की 131 छात्राओं ने भाग लिया।

हिसार। शिविर में कोच रोहतास छात्राओं को सेल्फ डिफेंस का प्रशिक्षण देते हुए।

माता लक्ष्मी धन व सौभाग्य की देवी : गर्ग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

अग्रोहा धाम के विश्व प्रसिद्ध करणी कथा महंत डॉक्टर करणी प्रताप महाराज जी द्वारा माता लक्ष्मी जी की पावन कथा का शुभारंभ आज अग्रोहा धाम में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग थे। मुख्य अतिथि बजरंग गर्ग ने कथा वाचक करणी महाराज का स्वागत करते हुए कहा कि माता लक्ष्मी जी हिंदू धर्म में धन, सौभाग्य और समृद्धि की देवी है। माता लक्ष्मी जी का जन्म शरद पूर्णिमा के दिन हुआ था। माता लक्ष्मी जी कमल के फूल पर आसीन चार भुजाओं वाली है। कथा के अनुसार देवताओं ने अमृत की प्राप्ति के लिए तीर्थ सागर का मंथन किया तब लक्ष्मी माता जी उसे मंथन से प्रकट हुई। उस समय उन्होंने कमल के फूल पर खड़े होकर समुद्र से बाहर कदम रखा। माता लक्ष्मी जी ने समुद्र से बाहर निकलने के बाद भगवान श्री विष्णु जी को अपने पति के रूप में चुना था। अग्रोहा धाम में माता लक्ष्मी जी की विशेष पूजा व छप्पन भोग का प्रसाद लगाया जाता है।

हिसार। महंत करणी महाराज का स्वागत करते अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग। फोटो : हरिभूमि

माता लक्ष्मी की महाराजा अग्रसेन पर विशेष कृपा : महंत

कथा वाचक महंत करणी प्रताप महाराज ने माता लक्ष्मी जी व महाराजा अग्रसेन जी के बारे में विस्तार से वितरण किया और कहा माता लक्ष्मी जी का महाराजा अग्रसेन जी के कुल पर विशेष कृपा है। अग्रोहा धाम में माता लक्ष्मी जी का शक्तिपीठ व महाराजा अग्रसेन जी का भव्य मंदिर बना हुआ है। अग्रोहा धाम में कथा करने का अलग ही महत्व है। माता लक्ष्मी जी की कथा आज से 25 तारीख तक चलेगी और 25 अगस्त को भव्य भजन समारोह व भंडारे का आयोजन होगा। इस कथा में शैलेन्द्र गुप्ता वृंदावन, चतुर्भुज गर्ग, विमला गुप्ता, अशोक शर्मा, गोविंद राजस्थान, विजय मित्तल, कोषाध्यक्ष पवन गर्ग, संदीप कुमार, फतेहबाद प्रधान सुरेंद्र मित्तल, महिला प्रधान नेहा मित्तल, राजकुमार गुप्ता दिल्ली आदि ने कथा में भाग लिया।

36 फीसद किसान खेती छोड़कर या तो शहरों में गए या फिर काम बदल लिया : डॉ. खोखर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

राय बहादुर डॉक्टर रामधन सिंह मैमोरियल ट्रस्ट द्वारा जाट धर्मशाला में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि कार्यशाला का उद्घाटन हकृवि के पूर्व कुलपति डॉ. के.एस.खोखर ने किया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता जाने माने वेटर्नरी सांईटिस्ट डॉ. सतीश कालरा ने की। कार्यशाला के आयोजन में डॉ. सुरेन्द्र दलाल कीट साक्षरता मिशन एवं हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति दोनों संस्थाएं सहयोग कर रही हैं। कार्यशाला का मुख्य विषय देश की खेती का पुनर्जीवन क्यों और कैसे करें रहा, जिस पर अनेक हस्तियों ने चर्चा की। पूर्व कुलपति डॉ. के.एस.खोखर ने अपने संबोधन में कहा कि अभी तक हिंदुस्तान में 36 फीसद किसान खेती छोडक़र या तो शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं या दूसरे धंधों की ओर जा रहे हैं। पिछले कुछ सालों में बड़े पूंजीपतियों के 16 लाख करोड़ रुपये माफ कर दिए जबकि किसानों के लिए एमएसपी. इससे कई गुणा कम पैसों में दी जा सकती है। डॉ. खोखर ने कहा कि आज भी सबसे अधिक रोजगार देने वाले क्षेत्र खेती पर सरकारों का सबसे कम ध्यान है। खेती पर लगातार खर्च बढ़ रहा है परंतु भाव उसी अनुपात में नहीं मिल रहा है।

यह रहे उपस्थित

इस अवसर पर समाज शास्त्र विभाग, पंजाब यूनिवर्सिटी के विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार चौधरी, दिल्ली साइंस फोरम के पूर्व वैज्ञानिक डॉ. दिनेश अबरोल, डॉ. रणबीर दहिया, डॉ. सुरेन्द्र सिंह, हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति के राज्य अध्यक्ष प्रो. प्रमोद गौरी, डॉ. करतार सिंह सिवाच, दिनेश सिवाच, डॉ. रमेश पूनिया, डॉ. राजबीर सांगवान, डॉ. रोशन लाल, प्रो. अतर सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

प्राकृतिक जैव पद्धति का समावेश जरूरी : डॉ. कालरा

अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ. सतीश कालरा ने कहा कि किसानों को विज्ञान की जानकारी के साथ कृषि में प्राकृतिक जैव पद्धति का समावेश जरुरी है। फसलों की बिक्री के लिये पूर्ण व्यवस्था की जाए और स्टोरेज का प्रबंधन हो। इससे पूर्व ट्रस्ट के प्रधान बलजीत सिंह भ्याण ने आये हुए अतिथियों और प्रतिनिधियों का स्वागत किया। डॉ. धर्मसिंह ने सभा का संचालन किया।

एसी कम्प्रैशर चोरी मामले में दो गिरफ्तार, एक स्कूटी बरामद

हिसार। पीएलए चौकी पुलिस ने एसी कम्प्रैशर चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में किसान कॉलोनी आजाद नगर निवासी रवि व मनोहर कॉलोनी निवासी रवि उर्फ कैफ शामिल है।

चौकी प्रभारी एएसआई अनूप सिंह ने बताया कि इस संबंध में सेक्टर 16—17 हिसार निवासी राकेश ने शिकायत दर्ज कराई थी कि मनोहर कॉलोनी स्थित उसके एंटरप्राइजेज ऑफिस से एसी कम्प्रैशर चोरी हो गया है। शिकायत के आधार पर केस दर्ज करके जांच करते हुए पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया तथा वारदात में प्रयुक्त स्कूटी बरामद की। जांच में सामने आया कि चोरी किए गए एसी कम्प्रैशर को आरोपियों ने बेच दिया था। आरोपियों को पूछताछ के बाद अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

हिसार। एसी कम्प्रैशर चोरी के दोनों आरोपी।

गुरुद्वारा साहिब के पास हुक्का पीने वालों पर कार्रवाई के लिए एसपी को शिकायत की

हिसार। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के पूर्व प्रधान एवं हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के पूर्व सदस्य एवं गुरुद्वारा साहिब गोबिंद नगर के सेवादार सरदार सुखसागर सिंह ने गुरुद्वारा साहिब गोबिंद नगर डाबड़ा चौक के पास हो रही एक गंभीर उपद्रवी एवं गैरकानूनी गतिविधि के संबंध में एक शिकायत एसपी हिसार को भेजकर कार्रवाई की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने सीएम, चीफ सैक्रेटरी, नारकोटिक्स विभाग, केंद्रीय गृह मंत्रालय को भी इसकी शिकायत भेजी है। सरदार सुखसागर ने बताया कि गुरुद्वारा के पास एक दुकान है जिस पर कोई नाम नहीं लिखा है जहां पर कुछ लोग दिन भर हुक्का और तंबाकू जलाते रहते हैं जिसके धुएं और दुर्गंध से गुरुद्वारा परिसर की पवित्रता गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है और श्रद्धालुओं तथा स्थानीय निवासियों को भी इससे भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। उन्होंने एसपी हिसार से मांग की कि उक्त व्यक्ति जो दिन भर हुक्का पीकर गुरुद्वारा साहिब की पवित्रता को भंग करते हैं और प्रदूषण फैलाते हैं उनके खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाए और हरियाणा में लागू हुक्का, तंबाकू की बिक्री के प्रतिबंध नियमों को लागू किया जाए।

श्री राधा कृष्ण बड़ा मंदिर में बिहारी जी का छठी उत्सव मनाया

हिसार। श्री राधा कृष्ण बड़ा मंदिर में बिहारी जी का छठी उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने खूब मंगल गीत गाए और ठाकुर जी के लिए गूंद की पंजीरी, खिलौने, 56 भोग, चुटकी, पाजेब, जोड़े व मिठाइयां भेंट स्वरूप लेकर आईं। मंदिर के महंत पं. राहुल शर्मा ने बताया कि जन्माष्टमी के 6 दिन बाद बिहारी जी की छठी मनाई जाती है। इस अवसर पर मंदिर प्रांगण में विशेष संकीर्तन किया गया महिलाओं ने भजनों पर खूब नृत्य किया वह ठाकुर जी की बधाई गाई। मंदिर की तरफ से सभी को बधाई स्वरूप खिलौने, मिठाई का प्रसाद व टॉफियां वितरित की गई।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9253681005

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत विवि में विशाल पौधरोपण

ग्लोबल वार्मिंग के बड़े संकट से निपटने के लिए पौधरोपण ही सबसे सशक्त उपाय : प्रो. बिश्नोई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा है कि पेड़ों की जितनी संख्या बढ़ाई जाए, उतनी ही कम है। वर्तमान दौर में बढ़ते तापमान और असामान्य वर्षा चक्र का मुख्य कारण ग्लोबल वार्मिंग है। इस संकट से निपटने के लिए पौधरोपण ही सबसे सशक्त उपाय है। कुलपति प्रो.नरसी राम बिश्नोई विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सौजन्य से विश्वविद्यालय के बागवानी विभाग के सहयोग से 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत विश्वविद्यालय प्रांगण में विशाल पौधारोपण कार्यक्रम के तहत पौधा रोपित करने के उपरांत अपना संबोधन दे रहे थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. विजय कुमार, निदेशक बागवानी प्रो. नीरज दिलबागी, एनएसएस समन्वयक डा. महावीर प्रसाद उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल पर्यावरण संरक्षण के प्रति स्वयंसेवकों की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। एनएसएस कार्यक्रम समन्यक डा. महावीर प्रसाद ने जानकारी दी कि यह समय पौधारोपण के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है। इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के 301 पौधे लगाए गए। इस अवसर पर प्रो. मुकेश शर्मा, प्रो. दलबीर सिंह, डा. सोमदत्त, डा. रमेश, डा. मनोज यादव, डा. ललित शर्मा, बागवानी विभाग के अधिकारी, गैर शिक्षक स्टाफ के पदाधिकारी सहित एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डा. विकास, डा. विनीता, डा. सुनीता रानी, डा. रामस्वरूप, डा. खुशबू सेठी, डा. समृद्धि, दलबीर व नरेश सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

हिसार। पौधरोपण के दौरान मौजूद कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई।

पेशाब
की समस्याओं का स्थाई इलाज
• बार-बार पेशाब आना व जलन होना।
• पेशाब की कमजोर धार या रुक-रुक कर आना।
• गुर्दे व नलकी की पथरी से पेशाब में समस्या।
• गदूद/प्रोस्टेट के ऑप्रेशन से पहले अवश्य सम्पर्क करें व ऑप्रेशन से बचें।
डॉ. एम.एस.पूनियाँ
(B.H.M.S., D.N.H.E.) Jaipur
35 वर्षों का अनुभव
परामर्श नि:शुल्क (Free OPD)
समय : सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक
मंगलवार व शुक्रवार को अवकाश रहेगा
कृपया आने से पहले अपना रजिस्ट्रेशन करवा दें :
85709-15000
अशोका होम्योपैथिक हॉस्पिटल
Near Bus Stand,
Rishi Nagar, Hisar

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

रोहतक, रविवार 24 अगस्त 2025

भगवान गणपति के प्रसिद्ध-भव्य मंदिर

विशेषः गणेश चतुर्थी
27 अगस्त

आवरण कथा
रजनी अरोड़ा

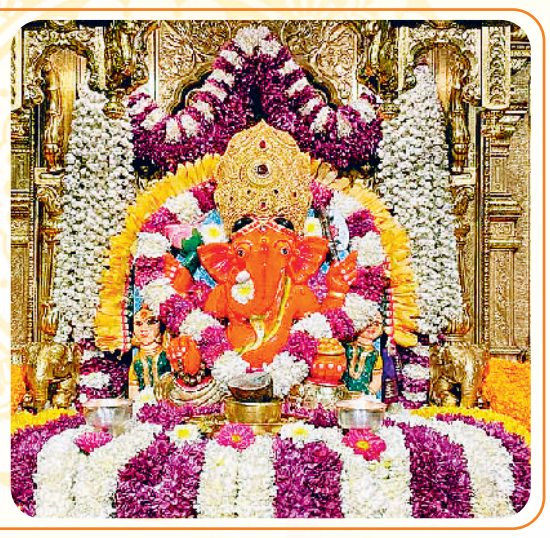

भारतीय धार्मिक परंपराओं में भगवान गणेश का स्थान सभी देवताओं में सर्वप्रथम पूज्यनीय माना जाता है। प्रतिवर्ष भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेशोत्सव मनाया जाता है। इस अवसर पर देश के अलग-अलग राज्यों में स्थित भगवान गणेश के मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित होते हैं। इनमें से कुछ भव्य-प्रसिद्ध मंदिरों के बारे में यहां बता रहे हैं।

श्री सिद्धिविनायक मंदिर (मुंबई) महाराष्ट्र

यह भारत में गणेश जी के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इस मंदिर का निर्माण 1801 में लक्ष्मण विठु और देउबाई पाटिल ने कराया था। इस मंदिर में गणपति बप्पा की प्रतिमा को काले पत्थर पर तराश कर बनाया गया है और गणपति जी अपनी दोनों पत्नी रिद्धि-सिद्धि के साथ यहां विराजमान हैं। पहले सिद्धिविनायक मंदिर की मूल संरचना काफी छोटी थी, लेकिन बाद में इस मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया। आज यह मंदिर पांच मंजिला बन चुका है। यहां गणेश जी को सिद्धिविनायक कहा जाता है, क्योंकि उनकी मूर्ति की सूंड़ दाईं ओर मुड़ी हुई है और सीधी पेट से जुड़ी हुई है। गणेशजी को नवसाचा गणपति भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है कि अगर आप सच्चे मन से कुछ मांगते हैं, तो वह अवश्य प्राप्त होता है। यहां रोजाना लाखों की संख्या में भक्त गणपति बप्पा के दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर प्रांगण में एक अस्पताल भी है, जहां लोगों का मुफ्त इलाज किया जाता है। इसके अलावा मंदिर में रसोईघर, प्रवचन मंडप और गणेश संग्रहालय भी हैं। *

रणथंभौर त्रिनेत्र गणेश मंदिर राजस्थान

यह मंदिर राजस्थान प्रांत में सवाई माधोपुर जिले में स्थित है, जिसे 10वीं सदी में रणथंभौर के राजा हमीर ने बनवाया था। यह विश्व धरोहर में शामिल रणथंभौर दुर्ग के भीतर बना है। यहां गणेश जी को रणतभंवर रणक भंवर नाम से भी जाना जाता है। पूरी दुनिया में यह ऐसा अनूठा मंदिर है, जहां गणेश जी की मूर्ति का रंग नारंगी है और अपने पिता शिवजी के समान तीन नेत्रों को धारण करके विराजमान हैं। इसकी एक और खासियत है कि यहां भगवान गणेश के पूरे परिवार को स्थापित किया गया है। इसमें गणेश जी अपनी दोनों पत्नियों रिद्धि-सिद्धि और पुत्रों शुभ-लाभ के साथ शोभायमान हैं। पौराणिक मान्यता है कि हजारों साल पहले भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणि के विवाह का निमंत्रण-पत्र इस मंदिर में भेजा गया था। तब से यह मंदिर भगवान को निमंत्रण-पत्र भेजने के लिए मशहूर है। स्थानीय लोगों के घर जब कभी शादी-ब्याह जैसा कोई मंगल कार्य होता है, तो वो सबसे पहले गणेश जी के नाम कार्ड भेजना नहीं भूलते, यानी अपना न्यौता रणथंभौर के गणेश मंदिर में देते हैं। गणेश चतुर्थी के मौके पर यहां हर साल भव्य गणेश मेला भी लगता है। *

उच्ची पिल्लैयार मंदिर तमिलनाडु

तिरुचिरापल्ली के रॉकफोट के शिखर पर यह मंदिर स्थित है। पल्लवों द्वारा चट्टान को काटकर निर्मित कराए गए इस मंदिर की शैल वास्तुकला अद्भुत है। इस मंदिर की कहानी रामायण काल से जुड़ी हुई है। रावण को पराजित करने के बाद भगवान राम ने विष्णु जी की एक मूर्ति विभीषण को लंका ले जाने के लिए दी थी। देवी-देवता ऐसा नहीं चाहते थे। इसलिए गणेश जी ने एक ग्वाले का रूप लिया और विभीषण को मूर्ति लंका ले जाने से रोका। विभीषण ने क्रोधित होकर उस ग्वाले के सिर पर वार किया, जिससे उसके सिर पर एक निशान पड़ गया। उसके बाद गणेश जी अपने असली रूप में आए। विभीषण ने उनसे माफी मांगी। आज भी इस मंदिर में स्थापित प्रतिमा के सिर पर एक निशान है। इस मंदिर तक पहुंचने के लिए 417 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। यहां रोजाना भगवान गणेश की 6 आरतियां की जाती हैं। 10 दिन का गणेश चतुर्थी उत्सव यहां बेहद धूमधाम से मनाया जाता है। *

कनिपक्कम विनायक मंदिर आंध्र प्रदेश

चित्तूर में स्थित कनिपक्कम विनायक, गणपति का एक विशेष मंदिर है। यह मंदिर नदी के बीचों-बीच स्थित है। इस मंदिर को 11वीं सदी में चोल राजा कोलोत्तुम चोल प्रथम ने बनवाया था। बाद में 14वीं सदी के प्रारंभ में विजयनगर साम्राज्य के शासकों ने इस मंदिर का विस्तार कराया। यह मंदिर अपनी प्राचीन शिल्प कला और खूबसूरत डिजाइन के लिए विख्यात है। यहां गणेश जी की मूर्ति स्वयंभू (स्वतः प्रकट) है। लेकिन पिछले कई सालों से चमत्कार स्वरूप इस मंदिर में भगवान गणेश की मूर्ति के पेट और घुटने का आकार लगातार बढ़ रहा है। यहां ब्रह्मोत्सवम और गणेश चतुर्थी का उत्सव 21 दिनों तक चलता है। इस मंदिर को पानी के देवता का मंदिर भी कहा जाता है। तिरुपति मंदिर से 75 किलोमीटर दूर स्थित इस मंदिर में भक्त प्रथम पूज्य गणेश के दर्शन के लिए जरूर आते हैं। मान्यता है कि यहां पवित्र जल में डुबकी लगाने से सभी समस्याओं का समाधान हो जाता है। *

बड़े गणेश जी का मंदिर म.प्र.

मध्य प्रदेश के उज्जैन में प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर के पास स्थित बड़े गणेश जी का यह भव्य मंदिर है। इस मंदिर में स्थापित गणपति जी की प्रतिमा विश्वभर में स्थापित विशाल मूर्तियों में से एक है, जिसका निर्माण महर्षि गुरु महाराज सिद्धांत वागेश पं. नारायण जी व्यास ने करवाया था। गणपति बप्पा की इस मूर्ति में सीमेंट के बजाय गुड़ और मेथी दानों के साथ ईंट, चूने और रेत का प्रयोग किया गया है। मूर्ति को बनाने में सभी पवित्र तीर्थ स्थलों का जल और सात मोक्षपुरियों-मथुरा, द्वारिका, अयोध्या, कांची, उज्जैन, काशी और हरिद्वार से लाई हुई मिट्टी भी मिलाई गई है। इस वजह से इस मंदिर की मान्यता और बढ़ गई है। *

बाल गणपति मंदिर गोवा

गोवा के पोंडा में स्थित यह मंदिर भगवान गणेश के बाल स्वरूप को समर्पित है। जहां उनकी पूजा छोटे बच्चे के रूप में की जाती है। मंदिर का वातावरण अत्यंत शांत और भक्तिमय है, जो भक्तों को अलग तरह का आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है। मंदिर की वास्तुकला गोवा की पारंपरिक और आधुनिक शैलियों का सुंदर समायोजन है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक दर्शन के लिए आते हैं। मान्यता है कि यहां दर्शन करने से जीवन में आने वाले संकट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। गणेश चतुर्थी के अवसर पर यहां विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है। *

सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का अद्वितीय प्रतीक है गणेशोत्सव

गणेश चतुर्थी से पूरे देश और विशेषकर महाराष्ट्र में गणेशोत्सव का उल्लास देखते ही बनता है। सामाजिक और सांस्कृतिक एकता के प्रतीक इस उत्सव का ऐतिहासिक महत्व भी कम नहीं है। यहां इसके शुभ मुहूर्त और पूजन के बारे में भी बता रहे हैं।

पर्वोल्लास / आर.सी. शर्मा

गणेश चतुर्थी यानी देशभर में मनाया जाने वाला गणेशोत्सव का पर्व महज धार्मिक पर्व भर नहीं है। यह हमारे देश की सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का एक मजबूत प्रतीक भी है।

प्रतिमा स्थापना-पूजनः गणेश चतुर्थी का पर्व हर साल भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन मनाया जाता है। इस दिन देशभर में बड़ी धूमधाम से गणपति प्रतिमाओं की स्थापना होती है। इस साल 26 अगस्त 2025 की दोपहर 1 बजकर 54 मिनट से प्रारंभ होकर 27 अगस्त 2025 की रात तक गणपति स्थापना का शुभ मुहूर्त है। इस तरह दो दिन से लेकर 10 दिन तक मनाए जाने वाले गणेशोत्सव की शुरुआत 27 अगस्त 2025 से होगी। इस साल 27 अगस्त को गणपति स्थापना के बाद 6 सितंबर 2025 यानी अनंत चतुर्दशी के दिन तक यह पर्व मनाया जाएगा। इसके बाद गणपति विसर्जन होगा।

अगर कर रहे प्रतिमा स्थापितः गणेश पुराण के मुताबिक गणेश चतुर्थी को भगवान गणेश का जन्म हुआ था। इसलिए भक्तगण इस दिन अपने घरों या सार्वजनिक पूजा स्थलों पर गणेश प्रतिमा स्थापित करते हैं। अगर आप पहली बार अपने घर में विघ्न विनाशक गणपति बप्पा की प्रतिमा स्थापित कर रहे हैं तो कुछ बातों का विशेष रूप से ध्यान रखें। जिन गणेश प्रतिमाओं में उनकी सूंड़ बाईं तरफ होती है, ऐसी प्रतिमाओं को घर लाना शुभ माना जाता है। अगर इस बार आपका पहला गणपति स्थापना उत्सव है, तो अपने घर बैठी हुई प्रतिमा ही लाएं, जो सुख, समृद्धि का प्रतीक होती है। भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापना हमेशा ईशान कोण में करनी चाहिए।

गणपति प्रतिमा स्थापना काठ की चौकी पर करना सबसे पवित्र होता है। लेकिन इस चौकी में गणपति स्थापना के पहले इसकी गंगा जल से पवित्र कर लेना चाहिए। गंगा जल और पंच द्रव्यों से चौकी की धुलाई करने के बाद उस पर लाल कपड़ा बिछाकर भगवान गणेश को प्रतिस्थापित करना चाहिए। ध्यान रखें, आपकी स्थापित मूर्ति में गणेश जी का हाथ आशीर्वाद देती मुद्रा में होना चाहिए और उनके दूसरे हाथ में मोदक होना चाहिए। भगवान गणेश की ऐसी प्रतिमा को सबसे शुभ माना जाता है।

महाराष्ट्र का भव्य पर्वः यूं तो पूरे देश में गणेश चतुर्थी का पर्व खूब धूम-धाम से मनाया जाता है। लेकिन महाराष्ट्र में इस पर्व को लेकर देश में सबसे ज्यादा उल्लास होता है। हो भी क्यों न, आखिर आधुनिक गणेश उत्सव की शुरुआत सन 1893 में महाराष्ट्र से ही हुई थी। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने 1893 में गणेश चतुर्थी के पर्व को आधुनिक सार्वजनिक उत्सव का रूप दिया और इस तरह अंग्रेजों के विरुद्ध देशवासियों को सामाजिक एकता के जरिए एकत्रित किया। आज का गणेशोत्सव बहुत कुछ उसी दौर की परंपरा का विस्तार है। यहां गणेशोत्सव सामुदायिक भावना, संगीत, नृत्य, कला, अनुराग और मिलन का इंद्रधनुषी पर्व बन चुका है। इसलिए महाराष्ट्र में यह पर्व धार्मिकता से बढ़कर पहचान और सांस्कृतिक विरासत के उत्सव का रूप ले चुका है। हालांकि महाराष्ट्र में भी यूं तो गणेशोत्सव हर गली, हर घर और हर मुहल्ले में किसी न किसी रूप से मनाया जाता है। लेकिन मुंबई और पुणे ये दो ऐसे शहर हैं, जहां गणेशोत्सव सबसे ज्यादा धूमधाम के साथ मनाया जाता है। मुंबई और पुणे में यह पर्व उत्सव की धूम के साथ-साथ हर साल बढ़ती भव्यता के रूप में भी देखा जाता है। महाराष्ट्र राज्य में गणेशोत्सव को राज्योत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसलिए यहां सिर्फ घरों में ही नहीं मैदानों और सोसाइटीज में भी गणपति के भव्य पंडाल लगाए जाते हैं और अगले दस दिनों तक पूरे राज्य में गणपति बप्पा के जयकारे गूंजते हैं। महाराष्ट्र का भव्य गणेशोत्सव आज न सिर्फ भारत में, विदेशों में भी अपनी पहचान कायम कर चुका है।

मुंबई-पुणे की प्रसिद्ध गणेश पूजाः मुंबई में लालबागचा का राजा यानी लाल बाग में स्थापित की जाने वाली गणेश प्रतिमा का उत्सव सबसे ज्यादा धूमधाम से मनाया जाता है। लालबाग के पंडाल में गणेश प्रतिमा स्थापित हो जाने के बाद यहां महाराष्ट्र और देश-विदेश के कोने-कोने से आने वाले भक्तों का तांता लगा रहता है। माना जाता है कि लालबागचा के राजा यानी नौ साझा गणपति का एक बार दर्शन भर कर लेने से मनोकामना पूरी हो जाती है। इसलिए मुंबई के लालबाग इलाके में स्थापित गणेश प्रतिमा के इस पूरे उत्सव के दौरान करोड़ों भक्त दर्शन करते हैं। लालबाग के बाद मुंबई में गिर गांव चौपाटी और केतवाड़ी, सिद्धिविनायक मंदिर में स्थापित होने वाले गणेश पंडाल सबसे ज्यादा भव्य होते हैं, जहां हर दिन गणपति के दर्शन के लिए लाखों भक्त आते हैं।

मुंबई के बाद कुछ विशेष गणेश पंडालों के आकर्षण का यह जलवा पुणे शहर में भी दिखता है। विशेषकर यहां दगडु सेठ हलवाई गणपति टेंपल और तुलसी बाग गणपति का जिक्र होता है। पूरे महाराष्ट्र भर से ही नहीं देश के विभिन्न स्थानों से भी इन पंडालों में गणेश प्रतिमाओं का दर्शन करने लोग आते हैं। *

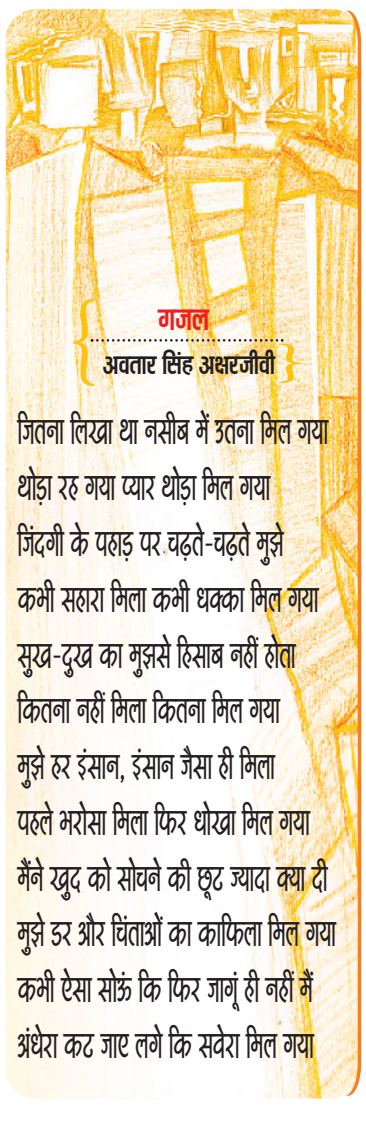

गजल
अवतार सिंह अक्षरजीवी

जितना लिखा था नसीब में उतना मिल गया
थोड़ा रह गया प्यार थोड़ा मिल गया
जिंदगी के पहाड़ पर चढ़ते-चढ़ते मुझे
कभी सहारा मिला कभी धक्का मिल गया
सुख-दुख का मुझसे हिसाब नहीं होता
कितना नहीं मिला कितना मिल गया
मुझे हर इंसान, इंसान जैसा ही मिला
पहले भरोसा मिला फिर धोखा मिल गया
मैंने खुद को सोचने की छूट ज्यादा क्या दी
मुझे डर और चिंताओं का काफिला मिल गया
कभी ऐसा सोऊं कि फिर जागूं ही नहीं मैं
अंधेरा कट जाए लगे कि सवेरा मिल गया

लघुकथाएं

एक अकेला

सेवानिवृत्त अध्यापक आत्माराम जी हर मौसम में अपने साथ छाता लिए बिना घर से बाहर नहीं निकलते। छाता और आत्माराम मानो एक-दूसरे के पूरक बन चुके हैं। पीठ पीछे कुछ लोग उन्हें छाताराम, छतरीवाला, अंब्रेला मैन कह कर हंसी उड़ाते हैं। आत्माराम जी के घनिष्ठ मित्र चतुरमल ने उन्हें एक बार समझाने की कोशिश की तो वह बोले, 'देखो भाई, लोगों द्वारा पीठ पीछे खिल्ली उड़ाने के कारण मैं अपनी सेहत से समझौता नहीं कर सकता। धूप में बिना छाते के चलने पर त्वचा झुलस जाती है, लू लगने का खतरा रहता है। बारिश के मौसम में भीगकर सर्दी-जुकाम होने का डर रहता है। लोगों की परवाह किए बिना अपनी पसंद की वेशभूषा पहनना, घूमना-फिरना और रहना चाहिए।' आत्माराम की बात के आगे चतुरमल चुप रह गए।

आत्माराम जी को एक विवाह समारोह में शामिल होना था। उन्होंने नए कपड़े पहने। छाता लेकर घर से निकलने लगे तो पत्नी शांति ने उन्हें टोका, 'नए कपड़े के साथ पुराना छाता टाट में पैबंद लग रहा है। अभी तो पानी भी नहीं बरस रहा है। काहे छाता लेकर जा रहे हो?'

'आजकल बारिश का कोई भरोसा नहीं होता है। नवंबर, दिसंबर और मार्च, अप्रैल में भी पानी गिरते देखा है। अभी तो अगस्त का महीना है।' आत्माराम ने पत्नी को जवाब दिया और प्रतिक्रिया जाने बिना घर से निकल गए।

आत्माराम जी को विवाह समारोह में पीठ पीछे यूं छाता लटकाए देखकर कुछ लोग मुस्कुराए। कइयों ने अपनी हंसी को मुश्किल से रोका। आत्माराम सभी से आत्मीयता से मिले। वर-वधु को आशीर्वाद दिया। भोजन किया। इतने में बारिश होने लगी। जो लोग कार में आए थे, वे सब निश्चिंत दिखे। बाकी लोगों के पास बरसात थमने की प्रतीक्षा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। आत्माराम ने अपना छाता खोला और बेफिक्र होकर अपने घर की ओर चल पड़े। वो लोग जो, अभी कुछ देर पहले उन पर हंस रहे थे, उन्हें देखते रह गए। *

-अशोक वाधवाणी

नाक का सवाल!

आज गुप्ता परिवार में विवाह की पचासवीं वर्षगांठ मनाने की तैयारी थी। इस अवसर पर लगभग सभी रिश्तेदारों को बुलाया गया।

'बड़े भैया नहीं आए अभी तक... काफी देर हो चुकी है।' गुप्ता जी ने अपनी पत्नी से कहा।

'आ जाएंगे... थोड़ा और इंतजार कर लीजिए।' पत्नी ने जवाब दिया।

उसी समय बड़े भैया ने समारोह स्थल पर पैर रखे। नशे में चूर, उनके कदम लड़खड़ा रहे थे।

'भैया आपने शराब पी रखी है, आपने तो जीवन में कभी शराब को छुआ तक नहीं... और आज...!' गुप्ता जी ने उन्हें संभालते हुए पूछा।

'अरे तुमने मेरा दिल जलाया है.. दिल... नाक कटवा दी मेरी... जब मैंने अपने विवाह की पचासवीं वर्षगांठ नहीं मनाई तो तुमने क्यों मनाई... मुझे नीचा दिखाने के लिए। लोग क्या कहेंगे कि बड़ा भाई कंजूस.. मक्खीचूस निकला।' बड़े भैया ने लड़खड़ाती आवाज में जवाब दिया।

'अरे भैया न दिल जलाया आपका और न ही नाक कटी आपकी। बल्कि आपकी नाक रख ली मैंने। आज आपकी ही तो शादी की सालगिरह है। वहां देखिए, भाभी जी बन-संवर के आपकी प्रतीक्षा कर रही हैं।' गुप्ता जी ने स्टेज की तरफ इशारा किया। बड़े भैया ने जैसे ही स्टेज पर अपनी पत्नी को देखा, उनका नशा छू-मंतर हो गया। उनके मुंह से निकला, 'भाई हो तो ऐसा...!' *

-गोविंद भारद्वाज

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

दिल्ली मेट्रो की कहानी

दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले लोग ही नहीं, देश-विदेश से यहां आने वाले लोग भी दिल्ली मेट्रो में सफर करने पर इसकी तारीफ किए बिना नहीं रह पाते हैं। वास्तव में पिछले लगभग तेईस वर्षों से दिल्ली मेट्रो, यहां की लाइफलाइन की भूमिका बखूबी निभा रही है। इसकी परिकल्पना, इसकी शुरुआत, इसकी विशेषताओं और फिर निरंतर इसके होते विस्तार की यात्रा-कथा को आंकड़ों, चित्रों और विवरणों के जरिए ऋषिराज ने बहुत सलीके से 'दिल्ली की जीवनरेखाः दिल्ली मेट्रो' पुस्तक में संजोया है। मेट्रो मैन के नाम से विख्यात दिल्ली मेट्रो के कर्णधार ई. श्रीधरन की उपलब्धियों और उनकी कार्यकुशलता के बारे में भी पुस्तक में एक अध्याय है। इसके अलावा लंदन मेट्रो, पेरिस मेट्रो, टोरंटो मेट्रो और न्यूयॉर्क मेट्रो जैसी विदेशी मेट्रो सेवाओं से दिल्ली मेट्रो का तुलनात्मक विवरण भी दिलचस्प है। इस किताब में दिल्ली मेट्रो के आय के स्रोत, इसकी पर्यावरणीय संवेदनशीलता और इसके बारे में अति विशिष्ट लोगों के अनुभवों को भी अलग-अलग अध्यायों में संकलित किया गया है। डीएमआरसी में एजीएम (ऑपरेशंस) के पद पर कार्यरत लेखक ने अपने कार्यक्षेत्र से जुड़ी कुछ मधुर स्मृतियों को भी रोचक शैली में पुस्तक में दर्ज किया है। *

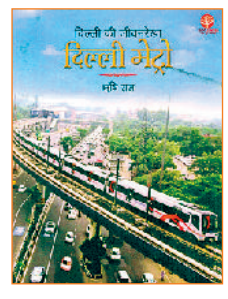

पुस्तकः दिल्ली की जीवनरेखाः दिल्ली मेट्रो,
लेखकः ऋषि राज, **मूल्यः** 460 रुपए,
प्रकाशकः नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत

हाल में ही भारत (इसरो) और अमेरिका (नासा) के संयुक्त प्रयास से निर्मित हाईटेक स्पेस राडार सिस्टम-निसार को अंतरिक्ष में भेजा गया। यह पावरफुल सिस्टम धरती के हर हिस्से की बारीकी से तस्वीर लेने में सक्षम है। कैसे भेजा गया निसार, कैसे करेगा यह अपना काम और क्या हैं इसकी विशेषताएं, इस बारे में विस्तार से जानिए।

अंतरिक्ष से धरती पर रखेगा नजर
नया स्पेस राडार निसार

उपलब्धि / शिखर चंद जैन

निसार राडार, अंतरिक्ष विज्ञान की नवीनतम उपलब्धि है। यह अंतरिक्ष से हमारी पृथ्वी पर कुछ ऐसे ही नजर रखता है मानो कोई सीसीटीवी कैमरा 24 घंटे निगरानी रख रहा हो।

क्या है निसार राडार: यह एक सुपर उपग्रह है, जो दिन-रात, हर मौसम में हमारी पृथ्वी की तस्वीरें लेगा और हमें बताएगा कि हमारा ग्रह कैसे बदल रहा है। इसका पूरा नाम नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर राडार (निसार) है। इसे भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो और अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मिलकर बनाया है। यह एक अंतरिक्ष यान जैसा है, जो पृथ्वी के चारों ओर चक्कर लगाएगा और हमारी धरती की तस्वीरें लेगा। लेकिन ये तस्वीरें कोई साधारण फोटोग्राफ नहीं होंगे। निसार एक खास तकनीक, जिसे सिंथेटिक अपर्चर राडार कहते हैं, का इस्तेमाल करता है। यह तकनीक इतनी शक्तिशाली है कि यह बादलों, बारिश, रात या दिन हर समय पृथ्वी की सतह की साफ-साफ तस्वीरें ले सकती है। यह उपग्रह हर 12 दिन में पूरी पृथ्वी को स्कैन करेगा और हमें ऐसी जानकारी देगा, जो पहले कभी इतने विस्तार से नहीं मिलती थी।

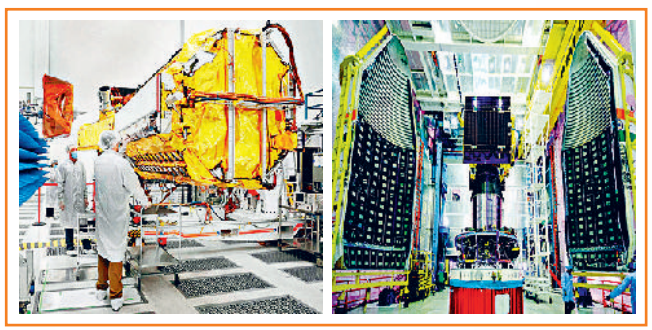

कैसे शुरू हुआ मिशन: अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में निसार मिशन भारत और अमेरिका की वैज्ञानिक उपलब्धियों का एक शानदार उदाहरण है। इसरो और नासा ने 2014 में इस मिशन के लिए साझा काम शुरू किया था। दोनों ने मिलकर इस उपग्रह को डिजाइन किया, जिसमें दोनों देशों की तकनीकी ताकत का इस्तेमाल हुआ है। नासा ने इसमें एल-बैंड राडार, एक बड़ा 12 मीटर का एंटीना, जीपीएस रिसीवर और डेटा रिकॉर्ड करने के लिए सॉलिड-स्टेट रिकॉर्डर लगाया है। इसरो ने एस-बैंड राडार, अंतरिक्ष यान का मुख्य ढांचा (सैटेलाइट बस) और इसे अंतरिक्ष में भेजने के लिए जीएसएलवी-एफ 16 रॉकेट दिया। यह उपग्रह 2,392 किलोग्राम वजनी है, यानी यह एक छोटी कार जितना भारी है। इसे 30 जुलाई 2025 को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से अंतरिक्ष में भेजा गया।

निसार की विशेषताएं: निसार दूसरे उपग्रहों या राडारों से कई मामलों में अलग और विशिष्ट है। इसमें दो तरह के राडार हैं- एल-बैंड और एस-बैंड। ये दोनों मिलकर बहुत सटीक तस्वीरें लेते हैं। एल-बैंड लंबी तरंगों (24 सेंटीमीटर) का इस्तेमाल करता है, जो जंगलों और मिट्टी के अंदर तक देख सकता है। एस-बैंड छोटी तरंगों (12 सेंटीमीटर) का इस्तेमाल करता है, जो सतह की बारीक जानकारी देता है। यह हर मौसम में काम करने में सक्षम है। अंधेरा हो या उजाला, बारिश हो या धुंध, निसार हमेशा काम करता है, क्योंकि यह राडार तकनीक का इस्तेमाल करता है, न कि कैमरे का। इसका बड़ा एंटीना इसकी विशेषता है। निसार का 12 मीटर लंबा एंटीना सोने की परत वाली जाली से बना है। यह एक बड़े छाते जैसा लगता है। निसार हर 12 दिन में पूरी पृथ्वी का नक्शा बनाएगा और 242 किलोमीटर चौड़े क्षेत्र को स्कैन करेगा। यह सेंटीमीटर स्तर की सटीकता से बदलावों को देख सकता है। निसार से मिलने वाली जानकारी पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के लिए मुफ्त उपलब्ध होगी।

निसार कैसे काम करता है: आप जरूर जानना चाहेंगे कि यह उपग्रह इतनी सटीक तस्वीरें कैसे खींच लेता है? दरअसल, यह राडार सिग्नल पृथ्वी की सतह की ओर भेजता है। ये तरंगें सतह से टकराकर वापस इसके पास पहुंचती हैं। वापस आने वाली तरंगों को निसार का एंटीना पकड़ता है। इससे यह पता चलता है कि सतह कैसी है- चट्टान, पानी, बर्फ या जंगल। इन सिग्नलों को कंप्यूटर की मदद से तस्वीरों में बदला जाता है। ये तस्वीरें इतनी साफ होती हैं कि छोटे-छोटे बदलाव भी दिख जाते हैं, जैसे कि एक पहाड़ का हल्का-सा खिसकना। फिर निसार अपने डेटा को पृथ्वी पर मौजूद स्टेशनों को भेजता है, जहां वैज्ञानिक इसे अध्ययन करते हैं।

निसार की जिम्मेदारी: निसार एक सुपर स्मार्ट उपग्रह है, जो पृथ्वी की सतह को बहुत ध्यान से देखता है। यह हमें बताएगा कि हमारी धरती में क्या-क्या बदलाव हो रहे हैं? इसके मुख्य दायित्वों होंगे-

प्राकृतिक घटनाओं पर नजर: निसार भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी विस्फोट और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं को समझने में मदद करेगा। यह हमें पहले से चेतावनी दे सकता है, ताकि लोग सुरक्षित रहें। यह उपग्रह ग्लेशियरों के पिघलने, समुद्र के स्तर में बढ़ोतरी और जंगलों में बदलाव को देखेगा। इससे हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि हमारी धरती जलवायु परिवर्तन से कैसे प्रभावित हो रही है।

कृषि और जंगल की निगरानी: निसार मिट्टी की नमी, फसलों की स्थिति और जंगलों की कटाई की जानकारी देगा। यह किसानों को बेहतर खेती करने में मदद करेगा।

महासागरों और बर्फ की निगरानी: यह समुद्र में बर्फ, तूफान और जहाजों की गतिविधियों पर नजर रखेगा। साथ ही यह शहरों के विकास और सड़कों, पुलों जैसी संरचनाओं की स्थिति को भी देखेगा।

कब तक काम करेगा निसार: निसार को कम से कम तीन साल तक काम करने के लिए डिजाइन किया गया है। हालांकि उपग्रह में उपयोग होने वाली सामग्री को 5 वर्ष तक चलने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका मतलब है कि प्राथमिक मिशन 3 साल तक चलेगा, लेकिन यदि आवश्यक हो तो इसे अतिरिक्त समय तक संचालित किया जा सकता है। यह पृथ्वी से 743 किलोमीटर ऊपर सूर्य-समकालिक कक्षा में चक्कर लगाएगा। इस कक्षा में यह हमेशा सूरज की रोशनी में रहेगा, जिससे इसे ऊर्जा मिलती रहेगी। इसका डेटा भारत और अमेरिका के वैज्ञानिकों के साथ-साथ पूरी दुनिया के साथ साझा किया जाएगा। *

अंतरिक्ष राडार का इतिहास

राडार का आविष्कार द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हुआ था। मुख्य रूप से रॉबर्ट वाटसन को इसका श्रेय दिया जाता है। यह तकनीक रेडियो तरंगों का उपयोग करके वस्तुओं की दूरी, गति और दिशा का पता लगाने के लिए विकसित की गई थी।

शुरुआत में, राडार का उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए किया गया, जैसे कि दुश्मन के विमानों का पता लगाना। राडार सिस्टम का उपयोग अंतरिक्ष यानों की स्थिति, गति और कक्षा को मॉनिटर करने के लिए किया गया।

पहचानें अपनी कमजोरियां
आत्मविश्वास से बढ़ें आगे

मनचाही सफलता पाने के लिए सबसे जरूरी गुण है आत्मविश्वास। और आत्मविश्वास तभी मजबूत होता है, जब आप अपनी कमजोरियों को स्वीकार करते हुए उन्हें दूर करने का प्रयास करते हैं। इस बारे में यूजफुल सजेशंस।

सेल्फ इंप्रूवमेंट
अंजू जैन

इस दुनिया में कुछ भी ऐसा नहीं है, जो संपूर्ण हो। चल-अचल, सजीव-निर्जीव हर रचना में कोई न कोई खामी है और किसी न किसी मायने में हर वस्तु, व्यक्ति, जीव और परिस्थिति अधूरी या कमजोर है। फिर ऐसा कैसे हो सकता है कि हमारे व्यक्तित्व, कार्यक्षमता, बौद्धिक-शारीरिक क्षमता या स्वभाव में कोई कमी न हो? इसलिए हमें अपनी कमजोरियों को लेकर विचलित, दुःखी या निराश होने की बजाय इनको पहचानना चाहिए और इनके प्रति सहज रहते हुए पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे की कार्ययोजना बनानी चाहिए।

अपने डर के साथ आगे बढ़ें: आत्मविश्वासी बनने के बारे में सबसे गलत धारणा यह है कि इसका मतलब है निडर होकर जीना जबकि आत्मविश्वास की वास्तविक परिभाषा इसके बिल्कुल विपरीत है। इसका मतलब है, हम हमारे लिए महत्वपूर्ण और मायने रखने वाले कामों को करते समय अपने भीतर की कमजोरियों और डर के साथ आगे बढ़ने को तैयार हैं। किसी बात को लेकर जब हमारे भीतर संशय हो और फिर भी हम आगे बढ़ने को तैयार हों तो इससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है लेकिन अगर हम केवल वही काम करेंगे, जिसके बारे में हम आश्वस्त हैं तो हमारा आत्मविश्वास कभी पूर्व स्तर से आगे नहीं बढ़ सकता।

डर को हावी न होने दें: परिस्थितियों को अपने ऊपर हावी मत होने दें। दूसरा कोई नहीं, केवल आप खुद ही अपनी परिस्थितियों को बदल सकते हैं। हाल ही में फेमस एक्टर डायरेक्टर जैकी चान कहते हैं, 'जिंदगी हमें हराएगी लेकिन उससे मुकाबला करना जरूरी है।' फारसी कवि मौलाना मोहम्मद जलालुद्दीन रूमी ने कहा है, 'अपने जीवन के बेहद खराब दौर में हार ना मानें, क्योंकि यही से आपकी राह बदलेगी।' आपकी पीड़ाएं और कमजोरियां कुछ कहने की कोशिश करती हैं, इनको समझने की कोशिश करें। महत्वपूर्ण यह है कि आप इनकी आवाज को कितना समझते हैं और उस पर कितनी और कैसी प्रतिक्रिया देते हैं?

कमजोरी से दोस्ती करें: हमें यह पहचानना चाहिए कि हमारा डर हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में किस तरह से मदद कर सकता है? चर्चित पुस्तक 'व्हाई हैज नोबडी टोल्ड मी दिस बिफोर' में डॉ. जूली स्मिथ ने इस संदर्भ में बहुत गहरी बात कही है। उन्होंने लिखा है, 'आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए यह बेहद जरूरी है कि हम अपनी कमजोरी से दोस्ती करें, क्योंकि यह कुछ समय के लिए आत्मविश्वास के बिना रहने का एकमात्र तरीका है।' आत्मविश्वास तभी बढ़ सकता है, जब हम इसके बिना रहने को तैयार होंगे, जब हम डर के साए में कदम रख सकें। यही साहस हमारे आत्मविश्वास को जमीन से ऊपर उठाता है। साहस पहले आता है, आत्मविश्वास उसके बाद।

लोगों को न बताएं कमजोरियां: आपकी कमजोरियां आपकी टॉप सीक्रेट लिस्ट में होनी चाहिए। व्यवहार विशेषज्ञ कहते हैं, लोगों से अपनी तकलीफें और कमजोरी बताने की आदत ना डालें। किसी से ऐसा ना कहें कि आप बीमार रहते हैं और भीतर से टूट चुके हैं। ना ही किसी से अपनी विपरीत परिस्थितियों का जिक्र करें। अपने पुराने दुखों और संघर्षों की वजह से खुद को उदास और चिड़चिड़ा ना बनाएं। पुस्तक 'नो युअर हिडेन पोटेंशियल' में कहा गया है, कई लोग जानते ही नहीं कि वे बेचैन क्यों हैं? अपनी इच्छाओं और कमजोरी को पहचानना शुरू करेंगे तो अपनी ऊर्जा का बेहतर इस्तेमाल कर पाएंगे।'

व्यक्तित्व के हर पहलू को समझें: खुद को वैसे ही स्वीकार करें, जैसे आप हैं। अपने साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करें, जैसा कि आप दूसरों के साथ करते हैं। 'एक्नॉलेज द टोटेलिटी ऑफ योर बीइंग' में समझाया गया है कि आप अपने हर पहलू को स्वीकार करना सीखें। इससे आप खुद के प्रति नरम और सकारात्मक हो जाते हैं। जब हम अपनी नकारात्मक भावनाओं और कमजोरी को कोई अनहोनी बड़ी बात या डरने वाली बात मानना बंद कर देते हैं तो ये चीजें आपको ज्यादा निराश नहीं करतीं। इन्हीं के साथ अपनी शक्तियां और कमजोरियां भी नोट करें। *

अवेयरनेस
प्रभाकांत कश्यप

अगर आप किसी भी सोशल मीडिया या एप का यूज करते हैं तो आपको इससे जुड़े नियम-कानून के बारे में जानकारी जरूर रखनी चाहिए। इससे आप कई मुसीबतों से बचे रहेंगे।

इन नियमों को जरूर जानें
सोशल मीडिया यूजर्स

हालांकि 'डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट-2023' को 11 अगस्त 2023 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई थी, इसी के साथ यह औपचारिक रूप से कानून बन गया था। लेकिन इस साल 2025 में इसके नियम और क्रियान्वयन तेजी से लागू हो रहे हैं। इसलिए सोशल मीडिया यूज करने वाले हर भारतीय को इसकी जानकारी होना बेहद जरूरी है।

क्या है यह कानून: डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कानून, 2023 भारत सरकार द्वारा बनाया गया एक कानून है, जो आपके निजी डेटा की सुरक्षा करता है, जैसे कि- आपका नाम, फोटो, मोबाइल नंबर, आधार नंबर, पैन कार्ड, हेल्थ रिपोर्ट, स्कूल/कॉलेज रिकॉर्ड, आपकी लोकेशन, बैंकिंग जानकारी और जो कुछ भी आपकी पहचान से जुड़ा है।

क्यों जरूरी है इसे जानना: भारत में आज लगभग हर व्यक्ति मोबाइल, एप्स, सोशल मीडिया, बैंकिंग और सरकारी सेवाओं में अपना निजी डेटा ऑनलाइन शेयर करता है- जैसे आधार संख्या, मोबाइल नंबर, लोकेशन डेटा, बैंक डिटेल्स, हेल्थ और एजुकेशन से जुड़ी जानकारी, फेशियल और बायोमैट्रिक डेटा आदि। इस कानून का मकसद है कि आपका डेटा सुरक्षित रहे और कोई भी कंपनी या संस्था उसे आपकी अनुमति के बिना इस्तेमाल न कर सके।

इस कानून की मुख्य बातें: इस कानून में कई प्रावधान किए गए हैं। जैसे- यह कानून भारतीय नागरिकों की डिजिटल सुरक्षा को प्राथमिकता देता है। आपकी अनुमति के बिना कोई भी आपका निजी डेटा नहीं ले सकता। आप किसी कंपनी से कह सकते हैं कि वो आपका डेटा डिलीट करे। जो कंपनी या संस्था आपका डेटा लेती है, वह इसके लिए जिम्मेदार होगी। 18 साल से कम उम्र वालों का डेटा और भी कड़ी निगरानी में रहेगा। कानून पालन न करने पर कंपनियों पर 250 करोड़ रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। सरकार कंपनियों की डेटा प्रोसेसिंग भी बंद कर सकती है।

आम आदमी के लिए क्या मायने: इस कानून के जरिए अब आप जान सकते हैं कि कौन सी एप, बैंक या वेबसाइट आपका डेटा कैसे और क्यों इस्तेमाल कर रही है? आप अपना डेटा डिलीट करवाने या ट्रांसफर करने की मांग कर सकते हैं। आप सरकार या कंपनी से सवाल पूछ सकते हैं कि उन्होंने आपकी जानकारी कैसे ली और क्या किया?

इस कानून का मकसद: आपका निजी डेटा अब आपकी मर्जी के बिना, न कोई एप इस्तेमाल कर सकता है, न कोई वेबसाइट इसे सेव कर सकती है, न ही किसी कंपनी को बेचा जा सकता है।

आपको क्या अधिकार मिलते हैं: कोई भी एप/साइट आपके डेटा का इस्तेमाल आपकी इजाजत से ही कर सकती है। आप किसी भी कंपनी से अपना डेटा डिलीट करने को कह सकते हैं। अगर आपकी जानकारी गलत है, तो आप उसे ठीक करने की मांग कर सकते हैं। आप साफ मना कर सकते हैं कि आपका डेटा किसी और काम में इस्तेमाल न किया जाए।

इसलिए है जरूरी: अगर आप यह कानून नहीं जानते तो आपको कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। आपका डेटा चोरी हो सकता है। आपकी बिना इजाजत कोई एप, आपकी लोकेशन, फोटो या कॉल लिस्ट चुरा सकता है। फ्रॉड कॉल/मैसेज बढ़ सकते हैं आपका नंबर बेचा जा सकता है, जिससे ठग आपको निशाना बना सकते हैं। बैंक फ्रॉड हो सकता है। आपकी निजी डेटा वायरल होने से शर्मिंदगी और तनाव हो सकता है।

आप क्या कर सकते हैं: कोई एप इंस्टॉल करने से पहले अनुमति जांचें। वेबसाइट पर 'प्राइवेसी पॉलिसी' पढ़ें। अपने डेटा के इस्तेमाल की जानकारी मांगें। अगर आपका डेटा गलत तरीके से इस्तेमाल हुआ है, तो डाटा प्रोटेक्शन बोर्ड में शिकायत करें। *

स्मरण
मनोज प्रकाश

जब भी दिल को छू लेने वाले कर्णप्रिय या भावनाओं से भरे दर्द भरे गीतों का जिक्र आता है, तो याद आते हैं बॉलीवुड के बीते सुनहरे दौर के लाजवाब गायक मुकेश। मुकेश की पुण्यतिथि (27 अगस्त) पर उनके गाए गीतों को याद कर रहे हैं लेखक।

सिर्फ दर्द भरे नहीं हर मूड के गीत गाने में बेमिसाल थे मुकेश

बॉलीवुड की गीत-संगीत की गंगा में जिन नामों की धाराएं बहती हैं, उनमें गायक के रूप में मोहम्मद रफी, किशोर कुमार और मुकेश सबसे विशिष्ट और लोकप्रिय माने जाते हैं। इनमें से मुकेश के गाने का अंदाज बहुत अनोखा और सीधे रूह को स्पर्श कर लेता है। उनके गाए सदाबहार गीत आज भी लोगों को पसंद आते हैं। मुकेश की आवाज तो कुछ एक्टर्स की पहचान से जुड़ गई थी तभी तो खुद राजकपूर ने मुकेश के निधन पर कहा था, 'मैंने आज अपनी आवाज को खो दिया है।'

प्रारंभिक जीवन: 22 जुलाई 1923 को दिल्ली में जन्मे मुकेश का पूरा नाम मुकेश चंद माथुर था। मुकेश ने दसवीं तक की औपचारिक शिक्षा ली। कुछ समय तक उन्होनें पीडब्ल्यूडी में काम किया। मुकेश का रुझान शुरुआत से ही गीत-संगीत की तरफ था। उन्होंने गायन के क्षेत्र में भी प्रयास आरंभ किया। शुरुआती संघर्षों के बाद मुकेश बॉलीवुड के सफलतम गायकों में से एक के रूप में गिने जाने लगे।

मुकेश को अपनी आवाज मानते थे राज कपूर

के. एल. सहगल से होती थी तुलना: कहते हैं, मुकेश की आवाज में कई बार लोग के.एल. सहगल की आवाज को तलाशते थे। दरअसल, मुकेश की गायनशैली काफी हद तक उनसे मिलती थी। मुकेश ने कुछ ऐसे गीत भी गाए हैं, जिनमें वही दर्द है, जो के.एल. सहगल के गाए गीतों में महसूस होता है।

दर्द भरे गीतों के आइकॉन: मुकेश के गाए गीतों में एक ऐसी कशिश होती है, जो हर किसी को उसे सुनने के लिए अपनी ओर खींच लेती है। मुकेश को खासकर दर्द भरे गीतों का आइकॉनिक सिंगर माना जाता है। दर्द भरे गीतों को गाने में उनकी आवाज में वास्तविक दर्द छलकता महसूस होता है।

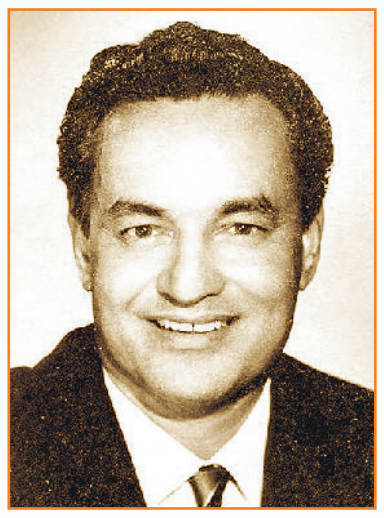

देश-विदेश में पाई लोकप्रियता: मुकेश के गाए गीतों को देश में ही नहीं विदेशों में भी खूब लोकप्रियता मिली। 'आवारा हूं या गर्दिश में हूं, आसमान का तारा हूं।' राज कपूर की फिल्म 'आवारा' का यह गीत भारत में ही नहीं तत्कालीन सोवियत संघ में भी खासा लोकप्रिय हुआ था। मुकेश का गाया गीत 'मेरा जूता है जापानी' महफिलों-पार्टियों की शान हुआ करता था। उस दौर के अनेक यंगस्टर्स अपनी पार्टियों में मस्ती के मूड में इस गीत को कोरस में गाया करते थे।

हर तरह के गीत गाए: मुकेश को आमतौर पर लोग उनके दर्द भरे गीतो के लिए जानते हैं। लेकिन यह मुकेश की वर्सेटाइल सिंगिंग एबिलिटी का एक हिस्सा मात्र था। हकीकत तो यह है कि मुकेश ने हर मूड, हर सिचुएशन के लिए कमाल के गाने गाए हैं। 'कभी-कभी मेरे दिल में ख्याल आता है', 'कहीं दूर जब दिन ढल जाए', 'सुहाना सफर और ये मौसम हसीं', 'मैं पल दो पल का शायर हूं', 'जाने कहां गए वो दिन', 'किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार', 'जीना यहां मरना यहां, इसके सिवा जाना कहां', 'कहता है जोकर सारा जमाना, आधी हकीकत आधा फसाना', 'मैंने तेरे लिए ही सात रंग के', 'इक दिन बिक जाएगा माटी के मोल' जैसे गीतों में मुकेश की गायकी के अलग-अलग आयाम देखे जा सकते हैं। पर्वों को खुशनुमा बनाने के लिए भी मुकेश ने कई गीत गाए हैं। 'ये राखी बंधन है ऐसा' उन्होंने लता मंगेशकर के साथ गाया। यह गीत आज भी रक्षाबंधन के अवसर पर खूब सुना जाता है।

फिल्म 'मिलन' के सीन में सुनील दत्त-नूतन

टॉप सितारों को दी आवाज: मुकेश को भले ही मुख्य रूप से 'राजकपूर की आवाज' के तौर पर जाना जाता रहा है, लेकिन मुकेश ने अपने दौर के लगभग सभी टॉप अभिनेताओं के लिए गाने गाए। राजकपूर के साथ-साथ मुकेश ने मनोज कुमार, दिलीप कुमार, राजेश खन्ना, राजेंद्र कुमार, अमिताभ बच्चन, सुनील दत्त आदि के लिए भी एक से एक मधुर गीतों का इंद्रधनुष बिखेरा। फिल्म 'हिमालय की गोद में' मनोज कुमार पर फिल्माया उनका गीत 'चांद सी महबूबा हो मेरी, कब ऐसा मैंने सोचा था', आज भी नई जेनरेशन के लवर्स गाते-गुनगुनाते हैं। फिल्म 'कटी पतंग' में राजेश खन्ना पर फिल्माया गीत 'जिस गली में तेरा घर न हो बालमा, उस गली से हमें तो गुजरना नहीं', आज भी लोकप्रिय है। लोकधुन से सजा मुकेश की सुरीली आवाज में फिल्म 'मिलन' का लोकप्रिय-कर्णप्रिय गीत 'सावन का महीना पवन करे सोर' सुनील दत्त पर फिल्माया गया। 'रात और दिन' में प्रदीप कुमार के लिए मुकेश ने 'रात और दिन दीया जले, मेरे मन में फिर भी अंधियारा है' गाया था।

चला गया बेमिसाल गायक: मुकेश, किशोर कुमार की तरह भले ही खिलंदड़ स्टाइल में नहीं गाते थे पर वह हल्के, रोमांटिक, भावपूर्ण तथा सहजता से भरे स्वर से जब किसी गीत को लय में पेश करते थे, तो श्रोताओं की सांसें थम जाती थीं और उनकी आवाज के साथ श्रोता खुद को मिलाने का प्रयास करने लगते थे।

वर्ष 1976 में मुकेश जब मिशिगन (यूएस) में एक प्रोग्राम देने गए थे तो उन्हें वहीं पर हार्ट अटैक हुआ और उनकी सांसें, 27 अगस्त 1976 को थम गईं। आज मुकेश स्मृति शेष जरूर हैं पर उनके गाए गीत दुनिया की फिजाओं में यही कह रहे हैं- 'जीना यहां-मरना यहां इसके सिवा जाना कहां.. ' *

नदी गाथा
वीना गौतम

पारिस्थितिकी-जनजीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है महानदी

दक्षिण से पूर्व की ओर बहने वाली महानदी, गोदावरी और कृष्णा की तरह ही देश की एक महत्वपूर्ण नदी है। जलप्रवाह की दृष्टि से यह भारत की दसवीं सबसे बड़ी नदी है और नदी घाटी क्षेत्रफल के अनुसार इसका स्थान छठवां है। यह देश की छठवीं सबसे बड़ी नदी घाटी है।

कृषि के लिए अत्यंत उपयोगी: इसकी लंबाई 858 किलोमीटर है और इसकी मुख्य सहायक नदियों में शिवनाथ, हसदेव, तेल, जोंक और मांड नदियां हैं। महानदी ओडिशा में एक विशाल डेल्टा बनाती है, जो कृषि के लिए अत्यंत उपजाऊ क्षेत्र है। इसका कुल जलग्रहण क्षेत्र 1,41,600 वर्ग किलोमीटर है। यह 53 फीसदी जलग्रहण छत्तीसगढ़ राज्य से करती है, जबकि 46 फीसदी जलग्रहण ओडिशा से करती है। शेष 1 प्रतिशत जलग्रहण क्षेत्र में महाराष्ट्र, झारखंड और आंध्र प्रदेश के विभिन्न हिस्से आते हैं। महानदी के जरिए छत्तीसगढ़ और उड़ीसा में लाखों हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होती है और इसी नदी के जल से भिलाई के इस्पात संयंत्र के लिए पानी मिलता है और शहर के लिए पेय जल भी। 1957 में जब इस नदी पर सबसे बड़ा मिट्टी का बांध हीराकुंड बना, उसके बाद से इसकी बाढ़ भयावहता कम हुई है।

पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण: जहां तक महानदी की जैव विविधता का सवाल है तो महानदी का बेसिन अनेक जलजीव, पक्षी और पौधों की प्रजातियों के लिए जाना जाता है। विशेषकर ओडिशा में चिल्का झील इसकी महत्वपूर्ण जैव विविधतापूर्ण जलराशि है। महानदी अपनी आर्द्रभूमि और मैंग्रोव वनों के लिए भी जानी जाती है, जो कि कार्बन सिंक और जैव विविधता संरक्षण में अत्यंत सहायक हैं। महानदी के डेल्टा में बड़े पैमाने पर मछली पालन होता है। इस तरह यह ओडिशा के लिए एक बहुत बड़ा आर्थिक स्रोत है। महानदी में बना हीराकुंड बांध जलविद्युत और बाढ़ नियंत्रण में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुआ है। महानदी अभी बहुत कम प्रदूषित है, इस वजह से भी इसका पारिस्थितिकीय महत्व अन्य बड़ी नदियों से बढ़कर है। *